RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अनक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:317 ता. 07 जून 2024, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पीएम मोदी का शपथग्रहण 9 जून को शाम 6 बजे

भाजपा के जीते मंत्री होंगे रिपीट, सहयोगी पार्टियों की मांग ने बढ़ाई चिंता, 14 सहयोगी दलों के 53 सांसदों को कैसे करेंगे खुश

स्पीकर के लिए एनडीए में पावरगेम

-वाजपेयी जैसा दबाव मोदी पर भी... संसदीय पावरगेम में बड़ा अहम रोल होता है स्पीकर का

नई दिल्ली।

एनडीए की नई सरकार का शपथग्रहण 9 जून को होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कुछ सांसद रविवार को शपथ लेंगे। इसको लेकर एनडीए में तैयारी शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा चुनाव में भाजपा के जीते सभी मंत्री इस बार भी रिपीट होंगे। विवाद से जुड़े चेहरों के नाम मंत्री पद की लिस्ट से काटे जा सकते हैं। दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर को अहम बैठक हुई। इसमें अमित शाह और राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। बैठक में नई सरकार बनाने, भाजपा और उसके सहयोगी दलों को मंत्रिमंडल में जगह देने और शपथ ग्रहण की तैयारियों समेत कई मुद्दों पर चर्चा की खबर है। उधर, खबर है कि एनडीए में लोकसभा अध्यक्ष को लेकर भाजपा, जदयू और टीडीपी में पावरगेम शुरू हो गया है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को 240 सीटें मिली हैं। यह बहुमत के आंकड़े (272) से 32 सीटें कम हैं। हालांकि, एनडीए ने 293 सीटों के साथ बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया। एनडीए में भाजपा के अलावा 14 सहयोगी दलों के 53 सांसद हैं। गठबंधन में चंद्रबाबू की टीडीपी 16 सीटों के साथ दूसरी और नीतीश की जदयू 12 सीटों के साथ तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। दोनों ही पार्टियां इस वक्त भाजपा के लिए जरूरी हैं। इनके बिना भाजपा का सरकार बनाना मुश्किल है। इसको देखते हुए दोनों पार्टियों ने अपने सांसद को लोकसभा अध्यक्ष बनाने की मांग की है। वहीं भाजपा चाहती है की स्पीकर की कुर्सी उसके पास रहे

सदन हंग तो स्पीकर ही किंग...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अब सबका साथ चाहिए। क्योंकि 2014 और 2019 में तो भाजपा के पास बहुमत की 272 से ज्यादा सीटें थीं। लेकिन इस बार भाजपा की गाड़ी 240 पर अटक गई है। हालांकि, ये साफ हो गया है कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं और 9 जून को शपथ लेंगे। लेकिन तीसरी बार एनडीए की सरकार में नरेंद्र मोदी को जिन दो पार्टियों की सबसे ज्यादा जरूरत है, उनमें एक है तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के चंद्रबाबू नायडू और दूसरी है नीतीश कुमार की जेडीयू। इन दोनों पार्टियों के पास 28 सांसद हैं और पांच साल तक एनडीए की सरकार बनाए रखने के लिए इनका साथ जरूरी बन जाता है। नीतीश कुमार की जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी, एनडीए सरकार में कई अहम पद चाहती हैं। नीतीश कुमार ने जहां चार सांसदों पर एक मंत्री का फॉर्मूला दिया है। तो वहीं टीडीपी ने सडक़ परिवहन, स्वास्थ्य और कृषि जैसे बड़े मंत्रालय मांगे हैं। इसके साथ ही टीडीपी की नजर लोकसभा स्पीकर की कुर्सी पर है। बताया जा रहा है कि टीडीपी लोकसभा स्पीकर का पद भी मांग रही है।

जीत पर गदगद प्रियंका गांधी वाड्रा, जनता के मुद्दे सर्वोपरि हैं, इन्हें नकारने की कीमत भारी होती

नई दिल्ली । कांग्रेस महासर्चो व प्रि यंका गांधी वाड्रा ने उत्तरप्रदेश कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं के नाम एक संदेश जारी है। प्रि यंका गांधी वाड्रा ने कहा, अपने आज की राजनीति में एक पुराना आदर्श फिर से स्थापित किया है कि जनता के मुद्दे सर्वोपरि हैं, इन्हें नकारने की कीमत भारी होती है। चुनाव जनता का है, जनता ही लड़ती है, जनता ही जीतती है। कांग्रेस महासचिव प्रि यंका गांधी वाड्रा ने लोंखा, यूपी कांग्रेस के मेरे सभी साथियों को मेरा सलाम। मैंने आपको धूप और धूल में कड़ी मेहनत करते हुए देखा, आप झुके नहीं, आप रुके नहीं, कठिन से कठिन दौर में आपने लड़ने की हिम्मत दिखाई। कई नेता डर के चले गये, आप टिके रहे। कांग्रेस महासर्चो व ने लोंखा, मुझे गर्व है आप पर और यूपी की जागरूक जनता पर, जिसने देश की गहराई और सच्चाई को समझा और हमारे संविधान को बचाने का ठोस संदेश पूरे भारत को दिया। आपने आज की राजनीति में एक पुराना आदर्श फिर से स्थापित किया है, कि जनता के मुद्दे सर्वोपरि हैं, इन्हें नकारने की क़ीमत भारी होती है। चुनाव जनता का है, जनता ही लड़ती है, जनता ही जीतती है।

9 को नहीं........12 जून को होगा चंद्रबाबू नायडू का शपथ ग्रहण समारोह

अमरावती । तेलुगु देशम पार्टी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू 12 जून को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। इसकी जानकारी सूत्रों के हवाले से मिली है। पहले खबर थी कि सीएम पद शपथ समारोह 9 जून को होने वाला है, जिसमें बदलाव किया गया है। शपथ की तारीख में बदलाव इसकारण हुआ हैं कि क्योंकि नरेन्द्र मोदी 8 जून को तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले हैं। पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना पत्र सौंप दिया। राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद के रूप में उनका इस्तीफा स्वीकार कर नई सरकार के कार्यभार संभालने तक अपने पद पर बने रहने की गुजारिश की।

करोड़ों की संपत्ति की मालकिन हैं महुआ मोइत्रा

- महुआ ने न्यूयॉर्क और लंदन में जेपी मॉर्गन चेज के लिए एक निवेश बैंकर के रूप में काम किया

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव में टीएमसी उम्मीदवार महुआ मोइत्रा ने बंगाल के नदिया जिले की कृष्णानगर सीट से बड़ी जीत हासिल की है। महुआ ने बीजेपी उम्मीदवार अमृत रॉय को हराया है। महुआ ने अपनी शुरुआती पढ़ाई कोलकाता के गोखले मेमोरियल गर्ल्स स्कूल से की है। साल 1998 में वो अमेरिका के माउंट होलोके कॉलेज में पढ़ने चली गईं थी। यहां उन्होंने ग्रेजुएशन किया। इसके बाद महुआ ने न्यूयॉर्क और लंदन में जेपी मॉर्गन चेज के लिए एक निवेश बैंकर के रूप में काम किया। साल 2009 में भारत आकर महुआ ने राजनीति ज्वाइन की और सबसे पहले यूथ कांग्रेस में शामिल हुईं। इस दौरान उन्हें राहुल गांधी के साथ काम करने का मौका मिला। साल 2010 में महुआ टीएमसी में शामिल हो गईं। महुआ अपनी लग्जरी लाइफस्टाइल के लिए जानी जाती हैं। कभी बैंकर के रूप में काम करने वाली महुआ करोड़ों की संपत्ति की मालकिन हैं। लोकसभा चुनाव लड़ने के दौरान महुआ मोइत्रा ने रिटर्निंग ऑफिसर के पास एक हलफनामा दायर किया था। उन्होंने चुनाव से पहले अपनी आय और संपत्ति का खुलासा किया था। महुआ ने इस हलफनामे में अपनी कमाई 12 लाख 7 हजार 541 रुपये बताई थी, जो उन्होंने 2022-23 के वित्तीय वर्ष में अर्जित की थी। वहीं 5 वर्ष पहले महुआ ने अपनी इनकम 5,51,080 रुपये बताई थी। महुआ ने 150 ग्राम वजन वाले गोल्फ की कीमत 9.41 लाख रुपये बताई थी, उनके पास एक 4.2 कैरेट का हीरे का रिंग भी है। इसकी कीमत 80 लाख रुपये बताई थी। महुआ मोइत्रा के पास कई महंगी ज्वैलरी भी हैं। हलफनामे के मुताबिक, महुआ मोइत्रा के पास एक 1.17 लाख का टी-सेट है। वहीं 2.72 लाख रुपये का चांदी का डिनर सेट है। उनके पास तमाम गहनें हैं और 80 हजार रुपये के आभूषण सहित 30 लाख रुपये की कलाकृतियां भी हैं। महुआ मोइत्रा ने दो प्रावेट बैंकों में फिक्स्ड डिपॉजिट भी कर रखा है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव केंद्रीय राजनीति में देंगे योगदान

-विधायक पद से देंगे इस्तीफा, चाचा शिवपाल को बनाएंगे नेता प्रतिपक्ष

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन कर यूपी में सबसे ज्यादा सीटें जीतने के बाद समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव अब केंद्रीय राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। सूत्रों के मुताबिक कन्नौज से सांसद चुने जाने के बाद अखिलेश यादव उत्तरप्रदेश विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे सकते हैं। इतना ही नहीं वह अपने चाचा शिवपाल यादव को नेता प्रतिपक्ष बना सकते हैं। बता दें कि अखिलेश यादव मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट से वर्तमान में विधायक हैं और अब वे कन्नौज से लोकसभा का चुनाव जीत कर सांसद बन गए हैं। नियम के मुताबिक अखिलेश यादव को किसी एक पद से इस्तीफा देना होगा। अगर वे विधायकी से इस्तीफा देते हैं तो उनकी जगह करहल सीट से तेज प्रताप यादव को चुनाव लड़ाया जा सकता है। यूपी में लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन के बाद अखिलेश यादव केंद्रीय राजनीति में अपने दखल को बढ़ाएंगे। दरअसल, अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी देश में तीसरी सबसे बड़े पार्टी के रूप में उभरकर सामने आई है। सपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में 37 सीटों पर जीत दर्ज की है। साथ ही उसका वोट प्रतिशत 33 फ़ीसदी से ज्यादा है। यूपी में सबसे बड़ा झटका सत्ता पर काबिज बीजेपी को लगा है। पार्टी प्रदेश में 62 सीटों से घटकर 33 पर पहुंच गई है।

पीएम मोदी के शपथ समारोह के साक्षी बनेंगे विक्रमसिंघे और शेख हसीना,

कई देशों को भेजा न्योता

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे पीएम नरेंद्र मोदी के समारोह में देश दुनिया की कई बड़ी हस्तियां शामिल होंगी।

समारोह में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे शिरकत करेंगे। सूत्रों ने बताया कि नरेंद्र मोदी 8 जून को रात 8 बजे शपथ ले सकते हैं। इस कार्यक्रम के लिए पड़ोसी देशों को न्योता भेजा गया है। शपथ ग्रहण समारोह में भूटान, नेपाल और मॉरीशस के नेताओं को भी आमंत्रित किए जाने की संभावना है। पीएम मोदी ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से भी फोन पर बात की और दोनों नेताओं ने विकसित भारत 2047 और स्मार्ट बांग्लादेश 2041 के विजन को आगे बढ़ाने के संकल्प को दोहराया है। एनडीए की जीत पर पीएम मोदी को बधाई देने वाले पहले विदेशी नेताओं में शेख हसीना भी शामिल हैं। उन्होंने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड, भूटानी प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ को भी आमंत्रित किए जाने की संभावना है। विदेशी नेताओं को औपचारिक निमंत्रण आज भेजे जाएंगे।

2019 में नरेंद्र मोदी के साथ 24 केंद्रीय मंत्रियों ने भी शपथ ली थी। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्वारा 24 राज्य मंत्रियों (एमओएस) और 9 एमओएस (स्वतंत्र प्रभार) को भी शपथ दिलाई गई थी। इस बार मोदी 3.0 कैबिनेट में एनडीए के सहयोगियों के अधिक प्रतिनिधित्व देखने की संभावना है। ऐसा इसलिए क्योंकि भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल करने से चूक गई है।2019 के लोकसभा चुनावों के बाद भारत ने मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए बिम्सटेक देशों के नेताओं को आमंत्रित किया था। बिम्सटेक एक क्षेत्रीय समूह है जिसमें बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड शामिल हैं। 2014 में जब नरेंद्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल के लिए शपथ ली थी तो तत्कालीन पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ समेत सभी सार्क नेता समारोह में शामिल हुए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने रानिल विक्रमसिंघे को फोन किया और उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया है। श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने इसे स्वीकार कर लिया है। उनके कार्यालय ने इसकी पुष्टि की है।

एनडीए गठबंधन की सरकार बनते ही लंदन रवाना हो जाएंगे नीतीश कुमार

-कैबिनेट में जेडीयू कोटे से शामिल होने वाले मंत्रियों की सूची हो रही तैयार

पटना। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव के बाद नई सरकार बनने की कवायत शुरु हो गई है। देश में एनडीए की सरकार बनना लगभग तय है। ऐसा माना जा रहा है कि नई सरकार का शपथग्रहण समारोह 8 जून को होगा।

इसी बीच सूत्रों से खबर मिली है कि नई सरकार बनते ही नीतीश कुमार लंदन जाने वाले है। नीतीश बुधवार को एनडीए की बैठक के बाद पटना लौटना था, लेकिन नीतीश दिल्ली में ही रुक गए हैं। सूत्रों ने बताया कि लंदन जाने से पहले नीतीश कुमार मोदी कैबिनेट में जेडीयू कोटे से शामिल होने वाले मंत्रियों की सूची तैयार कर रहे हैं। इसके लिए बीजेपी के आला नेताओं से बातचीत करेंगे। बता दें कि नीतीश कुमार के दिल्ली में रुकने की राजनीतिक व्यस्तता तो है ही, एक और वजह से नीतीश दिल्ली में रुके हुए हैं। सूत्रों की मानें तो नीतीश अगले मंगलवार को लंदन जाने वाले हैं। बता दें कि लोकसभा चुनाव से पहले भी नीतीश कुमार लंदन चले गए थे। हालांकि, इस बार मोदी सरकार के शपथ ग्रहण के बाद वह लंदन जाएंगे। यह भी कहा जा रहा है कि नीतीश एक बार फिर इलाज के लिए लंदन जा रहे हैं। इसलिए मंत्री पद जैसे मुद्दों को सुलझाने वह दिल्ली में रुक गए हैं। दिल्ली की राजनीतिक गलियारों में कल से ही जेडीयू कोटे से कौन मंत्री बनेगा और कौन सा मंत्रालय मिलेगा, इसकी चर्चा चल रही है। एनडीए में शामिल अन्य घटक दलों ने भी मंत्री पद को लेकर जोर आजमाइश शुरू हो गई है। ऐसे में नीतीश दिल्ली में रहकर यह मामला सुलझाना चाहते हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पीएम मोदी व मंत्रिपरिषद के सदस्यों को दी विदाई पार्टी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार रात राष्ट्रपति भवन में पीएम नरेंद्र मोदी और उनके नेतृत्व वाले निवर्तमान केंद्रीय मंत्रिपरिषद को रात्रिभोज दिया। परंपरा के मुताबकि राष्ट्रपति ने मंत्रिमंडल के सदस्यों को विदाई डिनर दिया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित डिनर में पीएम नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण समेत सभी केंद्रीय मंत्री मौजूद थे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और डॉ. सुदेश धनखड़ भी विदाई डिनर में शामिल हुए।

बता दें कि इससे पहले पीएम आवास पर एनडीए की बैठक में सभी दलों ने सर्वसम्मति से नरेंद्र मोदी को अपना नेता चुना। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एनडीए की बैठक में पीएम पद के लिए नरेंद्र मोदी के नाम का प्रस्ताव रखा। टीडीपी के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू, बिहार के सीएम नीतीश कुमार और महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे समेत सभी नेताओं ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। एनडीए की महत्वपूर्ण बैठक में एनडीए के 16 पार्टियों के प्रमुख नेता मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए पीएम मोदी ने सर्वप्रथम जनता-जनार्दन का आभार प्रकट किया और एनडीए को लगातार तीसरा कार्यकाल देने के लिए धन्यवाद दिया।

जनता की इच्छा को साकार करने उचित समय पर उचित कदम उठाएंगे : खगड़े

लोगों के जनादेश ने बीजेपी और उनकी नफरत की राजनीति को दिया करारा जवाब

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव नतीजों और अपने शानदार प्रदर्शन के बाद इंडिया गठबंधन के सभी घटक दल बुधवार को दिल्ली में इकट्ठा हुए। यहां बैठक में गठबंधन के नेताओं ने आगे की रणनीति तय की। बैठक में गठबंधन की ओर से कहा गया कि वे उचित समय पर उचित कदम उठाएंगे। गठबंधन ने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि वे क्या कदम उठाने जा रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक के दौरान सभी की ओर से एक संयुक्त बयान में कहा कि लोगों ने बीजेपी के खिलाफ वोट किया है। हम, बीजेपी सरकार द्वारा शासित न होने की लोगों की इच्छा को साकार करने के लिए उचित समय पर उचित कदम उठाएंगे। यह हमारा फैसला है कि हमने जनता से जो भी वादा किया है उसे निभाएंगे। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के घटक दल को मिले जबरदस्त समर्थन के लिए भारत के लोगों को धन्यवाद देते हैं। लोगों के जनादेश ने बीजेपी और उनकी नफरत और भ्रष्टाचार की राजनीति को करारा जवाब दिया है। यह भारत के संविधान की रक्षा के लिए, महंगाई, बेरोजगारी और सांठगांठ वाले पूंजीवाद के खिलाफ और लोकतंत्र को बचाने के लिए एक जनादेश है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि इंडिया गठबंधन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी के फासीवादी शासन के खिलाफ लड़ना जारी रखेगा। बहुमत से दूर रहा इंडिया गठबंधन अब अन्य राजनीतिक दलों का स्वागत करने को भी तैयार है।

खड़गे ने कहा कि इंडिया गठबंधन उन सभी राजनीतिक दलों का स्वागत करता है जो भारत के संविधान की प्रस्तावना में अटूट विश्वास रखते हैं और इसके आर्थिक, सामाजिक तथा राजनीतिक न्याय के उद्देश्यों से प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा हम एक साथ लड़े, तालमेल से लड़े और पूरी ताकत से लड़े। आप सबको बधाई। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 18वीं लोकसभा चुनाव का जनमत सीधे तौर से पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ है। चुनाव उनके नाम और चेहरे पर लड़ा गया था और जनता ने बीजेपी को बहुमत न देकर उनके नेतृत्व के प्रति साफ संदेश दिया है। गौरतलब है कि इस चुनाव में इंडिया गठबंधन को 234 सीटें मिली हैं। वहीं दूसरी ओर बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने 292 सीटें जीती हैं।

दिल्ली की सातों सीटों पर दलितों ने खिला दिया कमल

मुस्लिम बहुल सीटों पर इंडिया का जलवा

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने फिर सभी सात लोकसभा सीटों पर कमल खिला दिया है। चुनाव आयोग के आंकड़ों से पता चलता है कि भाजपा ने उन सीटों पर बढ़त हासिल की है, जो अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन ने उन इलाकों में अच्छा प्रदर्शन किया जहां मुस्लिम आबादी ज्यादा है। खास बात यह है कि दिल्ली की सभी 13 आरक्षित सीटों पर अभी आम आदमी पार्टी का कब्जा है, लेकिन लोकसभा चुनाव में दलितों ने पीएम मोदी का साथ दिया है।

पूर्वी दिल्ली- यहां भाजपा के हर्ष मल्होत्रा ने आम आदमी पार्टी नेता कुलदीप कुमार को हराया, जो कोंडली से मौजूदा विधायक हैं।

मल्होत्रा को कुमार की विधानसभा सीट पर भी आगे रहे, जोकि अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। भाजपा को यहां 59,551 वोट मिले, जबकि कुलदीप के हिस्से 57985 मत आए। भाजपा को त्रिलोकपुरी में भी अधिक वोट मिले। दोनों सीटें एससी के लिए रिजर्व है।

उत्तर पूर्वी दिल्ली: लगातार तीसरी बार उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट से सांसद चुने गए भोजपुरी सुपर स्टार मनोज तिवारी को भी अनुसूचित जाति का खूब साथ मिला। तिवारी को आरक्षित गोकलपुर सीट पर 80757 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी कन्हैया कुमार को 70,159 वोट हासिल हुए।

वहीं, सीमापुरी में इंडिया गठबंधन को ज्यादा (66,604) वोट मिले, जहां बड़ी संख्या में मुस्लिम मतदाता रहते हैं। सीमापुरी में भाजपा को 61,017 वोट मिले हैं।

नई दिल्ली सीट: पूर्व केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज की वकील बेटी बांसुरी स्वराज ने आप नेता सोमनाथ भारती को मात दी। अनुसूचित जाति के लिए रिजर्व करोल बाग विधानसभा सीट पर स्वराज ने भारती के मुकाबले बढ़त हासिल की।

उत्तर पश्चिम दिल्ली: भाजपा के योगेंद्र चंदोलिया को बवाना, नांगलोई जाट और मंगोलपुर में अधिक वोट मिले। वहीं दूसरे स्थान पर रहे उदित राज को सुल्तानपुरी विधानसभा में बढ़त मिली।

पश्चिम दिल्ली/दक्षिणी दिल्ली: भाजपा प्रत्याशी कमलजीत सहरावत को मादीपुर सुरक्षित सीट पर आप के महाबल मिश्रा के मुकाबले अधिक वोट मिले। दूसरी ओर दक्षिणी दिल्ली में रामवीर सिंह बिधूड़ी को देवली आरक्षित सीट पर आम आदमी पार्टी के सही राम पहलवान के मुकाबले अधिक वोट हासिल हुए।

दिल्ली की मुस्लिम बहुल सीटों पर आप और इंडिया गठबंधन को बढ़त मिली है। सीलमपुर, बाबरपुर, मुस्तफाबाद, ओखला, मटियामहल, बल्लीमारान सीट पर इंडिया गठबंधन ने भाजपा को पीछे छोड़ा। उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट में सीलमपुर विधानसभा सीट में कन्हैया कुमार को 88,708 वोट मिले, जबकि मनोज तिवारी को यहां केवल 37,697 वोट हासिल हुए। इस तरह चांदनी चौक लोकसभा सीट के तहत मटियामहल में इंडिया गठबंधन को 65,912 वोट मिले जबकि यहां भाजपा को महज 18,299 वोट हासिल हुए।

ईवीएम में जीत गए......पोस्टल बैलेट की गिनती में हार गए ये दो सांसद

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम आ चुके हैं और देशभर में करीब 44 प्रतिशत वोटबैंक के साथ एनडीए पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। पीएम मोदी तीसरी बार देश की बागडोर संभालने वाले हैं। 2024 लोकसभा के परिणाम काफी चौंकाने वाले थे।

कई सीटों पर मार्जिन लाखों का था, कहीं महज कुछ गिनती के वोट के साथ प्रत्याशी की जीत तय हो सकी। दो लोकसभा सीटों के लिए मतदान आखिर तक रोमांचक बना रहा, जहां प्रत्याशी मतगणना के बाद जीत चुके थे लेकिन, पोस्टल बैलेट ने उन्हें हरवा दिया। चुनाव में ईवीएम मशीन ही नहीं पोस्टल बैलेट के वोट भी मायने रखते हैं। इसकी बानगी नतीजों के दिन मुंबई और ओडिशा में देखने को मिली, जब ईवीएम के वोटों की गिनती के बाद हार चुके प्रत्याशी आखिर में विजयी घोषित हुए। हम बात कर रहे हैं शिव सेना के रवींद्र वायकर और भाजपा कैंडिडेट रवींद्र नारायण बेहरा की। वाइकर ने मुंबई उत्तर पश्चिम सीट से जीत हासिल की, जबकि बेहरा ने ओडिशा में जाजपुर सीट पर विजय हासिल की। शिवसेना (शिंदे गुट) नेता रविंद्र वायकर ने मुंबई उत्तर पश्चिम सीट पर अपने विरोधी शिवसेना (यूबीटी) के अमोल गजानन कीर्तिकर को केवल 48 वोटों से हराया। दरअसल, अमोल ईवीएम की काउंटिंग तक विजेता घोषित हो चुके थे। ईवीएम काउंटिंग खत्म होने के बाद अमोल को वाइकर के 4,51,094 के मुकाबले 4,51,095 वोट मिले थे। फिर पोस्टल बैलेट में बाजी पलट गई। चुनाव आयोग के अनुसार, वायकर को पोस्टल बैलेट में 1,550 डाक वोट मिले, वहीं कीर्तिकर के पक्ष में 1,501 वोट पड़े। अंतिम गिनती से पता चला कि वाईकर को 4,52,644 वोट मिले और अमोल को 4,52,596 वोट मिले। हालांकि शिवसेना (यूबीटी) ने कहा है कि वह नतीजे को अदालत में चुनौती देगी।

ओडिशा में भाजपा के बेहरा को ईवीएम की काउंटिंग खत्म होने तक बीजू जनता दल (बीजेडी) की सर्मिष्ठा सेठी की तुलना में 496 कम वोट मिले थे, लेकिन फिर भी वे जीत गए। पोस्टल बैलेट के बाद बेहरा की जीत हुई। उन्हें पोस्टल बैलेट में 5,280 वोट मिले, वहीं सेठी को 3,224 वोट मिले।

पोस्टल बैलेट या डाक मतपत्रों का उपयोग आमतौर पर वे मतदाता करते हैं जो अपने निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव के वक्त दूर हों। अक्सर पोस्टल बैलेट से मतदान चुनाव के दौरान तैनात सुरक्षा कर्मी, कैदी और चुनाव ड्यूटी पर तैनात लोग करते हैं।

2019 के आम चुनाव तक डाक मतपत्रों की गिनती ईवीएम की गिनती से 30 मिनट पहले की जाती थी। लेकिन चुनाव आयोग ने दिशानिर्देशों में बदलाव किया निर्देश दिया कि ईवीएम की गिनती डाक मतपत्रों की गिनती की समाप्ति के बावजूद जारी रह सकती है।

करनाल उपचुनाव: नायब सिंह सैनी ने ली विधायक के रूप में शपथ

चंडीगढ़। (एजेंसी)

हरियाणा के करनाल विधानसभा सीटा पर उपचुनाव हुआ। इस सीट पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जीत दर्ज की है। विधानसभा का उपचुनाव जीतने के बाद गुरुवार को नायब सिंह सैनी को विधानसभा अध्यक्ष ने विधायक के रूप में शपथ दिलाई। विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने अपने कक्ष में बीजेपी नेता को शपथ दिलाई। अभी हाल ही में हुए करनाल विधानसभा उपचुनाव में नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस के तरलोचन सिंह को हराया है। पहले इस सीट का प्रतिनिधित्व पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर कर रहे थे। खट्टर ने भी 2019 के विधानसभा चुनाव में यहां से तरलोचन सिंह को हराया था। कुरुक्षेत्र के पूर्व सांसद नायब सिंह सैनी ने खट्टर की जगह मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद करनाल विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ा था। खट्टर ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद करनाल के विधायक के रूप में इस्तीफा दिया था जिसके बाद उपचुनाव होना था। सैनी ने 12 मार्च को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। खट्टर ने करनाल लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी के रूप में जीत हासिल की है।

एक्शन में योगी सरकार, दो अधिकारियों सहित 4 पर गिरी निलंबन की गाज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार चुनाव खत्म होते ही एक्शन में आ गई है। बुलंदशहर में भारतीय खाद्य निगम के गोदाम से राशन की कालाबाजारी के मामले में जिला खाद्य विपणन अधिकारी जिया अहमद करीम, विपणन निरीक्षक सुधीर कुमार, पूर्ति निरीक्षक विवेक श्रीवास्तव के साथ ही जिलापूर्ति अधिकारी सुनील सिंह को निलंबित करते हुए विभागीय कार्यवाही शुरू की गई है।खाद्य एवं रसद आयुक्त सौरभ बाबू ने बताया कि बुलंदशहर में भारतीय खाद्य निगम के गोदाम से राशन की कालाबाजारी की शिकायत पर जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) की अध्यक्षता में समिति का गठन कर जांच कराई थी। इस मामले में डिपो प्रभारी शालिनी पचौरी, क्षेत्रीय विपणन अधिकारी इंद्रपाल सिंह, विपणन निरीक्षक गौरव कुमार, विनोद कुमार दोहरे, मुकेश कुमार, राजीव शर्मा व मनोज कुमार के विरुद्ध खाद्यान्न भेजने में लापरवाही तथा अभिलेखों का उचित रख-रखाव न करने को लेकर विभागीय कार्यवाही की संस्तुति की गई। समिति की जांच में जिले के सदर ब्लॉक में सिंगल स्टेज परिवहन व्यवस्था में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के सरकारी खाद्यान्न की कालाबाजारी व दुरुपयोग पाया गया।

फतवे ने प्रतिद्वंद्वी शिवसेना को मुंबई में दिलाई जीत

-महाराष्ट्र के मंत्री और सीएम के करीबी केसरकर का दावा

मुंबई। (एजेंसी)

महाराष्ट्र के मंत्री और सीएम एकनाथ शिंदे के खास दीपक केसरकर ने मुंबई की लोकसभा सीटों पर शिवसेना (यूबीटी) की जीत को लेकर दावा किया है। केसरकर ने कहा कि फतवे ने प्रतिद्वंद्वी शिवसेना को मुंबई में जीत दिलाने में मदद की है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने महाराष्ट्र में 15 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से सात सीट ही जीत सकी है। मुंबई की छह लोकसभा सीटों में से शिवसेना (यूबीटी) ने तीन सीटें जीतीं जबकि कांग्रेस, बीजेपी और शिवसेना को 1-1 सीट मिली। केसरकर ने कहा कि फतवे ने शिव सेना (यूबीटी) को मुंबई में सीटें जीतने में मदद की। यदि अल्पसंख्यक वोट घटा दें, तो प्रत्येक शिव सेना (यूबीटी) उम्मीदवार 1-1.5 लाख से ज्यादा वोटों से हारा होगा। उन्होंने दावा किया कि मुस्लिम मतदाता आश्वस्त हैं कि उद्धव ठाकरे ने हिंदुत्व विचारधारा और बाल ठाकरे के आदर्शों को त्याग दिया है। दीपक केसरकर ने आरोप लगाया कि शिवसेना (यूबीटी) ने झूठा दावा किया कि मराठी मतदाता एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का समर्थन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को मुंबईकरों और मराठी मतदाताओं का समान समर्थन मिला है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पीएम नरेंद्र मोदी को कमजोर

करने पाकिस्तान में साजिश रची गई थी। पाकिस्तान में दो मंत्रियों ने मोदी की हार की वकालत की और यहां कुछ लोगों ने उनकी बात पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने संविधान बदले जाने के झूठे दावे से दलित समुदायों को भी गुमराह किया।

हरियाणा में बढ़ी भाजपा की सीट

फिर भी सरकार संकट में?

-उपचुनाव- करनाल विधानसभा से सीएम नायब सैनी चुनाव जीते

चंडीगढ़। (एजेंसी)

हरियाणा में लोकसभा चुनाव के नतीजों में बीजेपी को झटका लगा है। यहां करनाल विधानसभा के लिए हुए उपचुनाव में सीएम नायब सैनी चुनाव जीत गए हैं, लेकिन प्रदेश में सरकार पर संकट मंडरा रहा है और सरकार अल्प मत में है। दरअसल, 5 जून को विधानसभा की एक सीट करनाल में हुए उपुचनाव में बीजेपी ने जीत हासिल की थी, लेकिन उसके बावजूद बीजेपी की विधायकों की संख्या हरियाणा में कम है, अब बीजेपी विधायकों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है। दो निर्दलीय विधायकों के समर्थन के साथ बीजेपी के पास आंकड़ा 43 हो गया है। हालांकि, अब भी हरियाणा की सैनी सरकार पर बहुमत का संकट है। जानकारी के अनुसार हरियाणा विधानसभा में दो विधायकों के इस्तीफा देने और एक विधायक की मौत के बाद विधायकों की संख्या 87 रह गई थी। बीजेपी को अब बहुमत साबित करने के लिए 44 विधायकों की जरूरत है लेकिन इस वक्त बीजेपी के पास हरियाणा में अपने 41 विधायक हैं और दो विधायकों का समर्थन उन्हें प्राप्त है तो कुल मिलाकर 43 विधायक हैं एक विधायक भी कम है। निर्दलीय विधायक नयनपाल रावत सरकार के साथ हैं और लोकहित पार्टी के विधायक गोपाल कांडा भी सरकार को समर्थन दे रहे हैं। बीजेपी दावा कर रही है कि सरकार को कोई खतरा नहीं है। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने सरकार के अल्पमत में होने को लेकर फ्लोर टेस्ट की मांग की थी।

दिल्ली में बारिश से राहत, अगले 4 दिन भीषण गर्मी के आसार

- गुरुवार को धूल भरी आंधी या गरज के साथ हल्की बारिश की संभावना

नई दिल्ली।

दिल्ली वासियों को उस समय थोड़ी राहत मिले जब बुधवार शाम को शहर में अचानक भारी बारिश हुई, जिससे तापमान में कई डिग्री की गिरावट आई। शहर में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो दिन के अधिकांश समय तक लगातार इसी तापमान के आसपास रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अनुमान लगाया है कि गुरुवार को धूल भरी आंधी या गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। गुरुवार को तापमान क्रमशः 30 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। असम के गुवाहाटी, हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों, मुंबई के कई हिस्सों के साथ-साथ कर्नाटक के कुछ शहरों सहित देश के कई अन्य हिस्सों में भी बारिश हुई, जिससे गर्मी की स्थिति से काफी राहत मिली। हालांकि, मौसम विभाग ने कहा है कि उत्तर, उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कई हिस्सों में अगले तीन से चार दिनों में लू जैसी स्थिति रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने बुधवार को कहा था कि 5 से 9 जून के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश, झारखंड और बिहार के अलग-अलग इलाकों में लू चलने की संभावना है, जबकि 5 जून को पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, राजस्थान में और 5 और 6 जून, 2024 को ओडिशा में लू चलने की संभावना है। हाल ही में तापमान में मामूली गिरावट के बावजूद उत्तरी राजस्थान, दक्षिण हरियाणा, उत्तरी मध्य प्रदेश और दक्षिण-पूर्व मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 43-45 डिग्री सेल्सियस के बीच और कई हिस्सों में 41-43 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा है।

यूपी में मायावती ने बचाई बीजेपी की लाज

-बसपा उम्मीदवार को जीत के अंतर से ज्यादा मिले वोट

लखनऊ। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तरप्रदेश में बसपा को एक भी सीट हासिल नहीं हुई है। कई बार यूपी की मुख्यमंत्री रहीं मायावती की पार्टी का यह हाल देख उनके समर्थकों में मायूसी है, लेकिन उन्होंने इस लोकसभा चुनाव में अपने लिए कुछ करने से ज्यादा विरोधियों को नुकसान पहुंचाया है। इस बार 16 सीटों पर उनके उम्मीदवारों को मिले वोट उन सीटों पर जीत-हार के अंतर वाले से वोट काफी ज्यादा हैं। ऐसे में इन 16 सीटों पर मायावती ने सीधे पर तौर अपने विरोधियों को नुकसान पहुंचाया है। अब सवाल यह है कि उन्होंने किस पार्टी को ज्यादा बीजेपी या इंडिया ब्लॉक को नुकसान पहुंचाया? अगर चुनावी आंकड़ों पर नजर डाले तो चुनाव आयोग की वेबसाइट के मुताबिक इन 16 में से 14 सीटों पर बीजेपी को जीत मिली जबकि दो सीटों पर उसकी सहयोगी रालोद और अपना दल (सोनेवाल) के उम्मीदवारों को जीत मिली। अब सवाल यह है कि अगर ये सीटें इंडिया ब्लॉक के खाते में चली जातीं तो क्या होता? बीजेपी 33 से घटकर 19 सीटों पर रह जाती। वो भी बिना बसपा-सपा गठबंधन के। इन दोनों दलों के बीच 2019 के चुनाव में गठबंधन हुआ था बावजूद इसके बीजेपी को 62 सीटें मिली थीं। दरअसल, इस चुनाव में इंडिया ब्लॉक, बसपा के कोर वोटर्स को यह समझाने में सफल रहा है कि बीजेपी के खिलाफ मायावती का रुख आक्रामक नहीं है। इस कारण तमाम सीटों पर मायावती का वोट बैंक इंडिया ब्लॉक की ओर शिफ्ट हो गया, जिन 16 सीटों पर मायावती के उम्मीदवार जीत के अंतर से ज्यादा वोट पाने में

कामयाब हुए हैं वहां इसका सीधा फायदा बीजेपी और उसके सहयोगी दलों को हुआ है। अगर ये उम्मीदवार प्रभावी नहीं होते और इंडिया ब्लॉक अन्य सीटों की तरह यहां के वोटरों के समझाने में कामयाब हो जाता कि मायावती मजबूती से बीजेपी का विरोध नहीं कर रही हैं तो स्थिति अलग हो सकती थी। यह बात सही है कि राजनीति में हमेशा दो और दो चार नहीं होते लेकिन, इस चुनाव में जिस तरह से मायावती के वोटर्स इंडिया ब्लॉक के साथ चले गए उसको देखते हुए कहा जा सकता है कि बसपा सुप्रीमो ने बीजेपी की लाज बचाने में मदद की है, जिन सीटों पर बसपा के उम्मीदवारों की वजह से बीजेपी को जीत मिली वे सीटें हैं- अकबरपुर, अलीगढ़, अमरोहा, बांसगांव, भदोही, बिजनौर, देवरिया, फर्रुखाबाद, फतेहपुर सिकरी, हरदोई, मेरठ, मिर्जापुर, मिसरिख, फूलपुर, शाहजहांपुर और उन्नाव। इन सभी सीटों पर बीजेपी को जीत बसपा के वोट काटने की वजह से मिली है।

दो कट्टरपंथियों के चुनाव जीतने से 18वीं लोकसभा में बनी असामान्य स्थिति

कानून के तहत नए सदन की कार्यवाही में भाग लेने की नहीं होगी अनुमति

चंडीगढ़।

खालिस्तान समर्थक और कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह ने पंजाब की खडूर साहिब लोकसभा सीट से जीत हासिल की है। उनकी जीत के एक दिन बाद ही उनके वकील राजदेव सिंह खालसा ने कहा कि अमृतपाल सिंह की जेल से रिहाई के लिए सभी जरुरी कदम उठाए जा रहे हैं। वकील और अमृतपाल सिंह की पत्नी किरणदीप कौर ने असम की डिब्रूगढ़ केंद्रीय कारागार में अमृतपाल से मुलाकात की।

बता दें 'वारिस पंजाब दे' संगठन प्रमुख अमृतपाल अप्रैल 2023 से जेल में बंद हैं। अमृतपाल ने पंजाब की खडूर साहिब लोकसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार कुलबीर सिंह जीरा को 1.97 लाख मतों से हराया। अमृतपाल ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था। अमृतपाल सिंह समेत आतंकवाद के आरोप में जेल में बंद दो उम्मीदवार इस बार संसदीय चुनाव में विजयी हुए हैं। जम्मू-कश्मीर की बारामूला सीट पर आतंकवाद के वित्तपोषण के आरोपी शेख अब्दुल राशिद उर्फ इंजीनियर राशिद ने भी इस लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की है। इन दोनों की जीत से आगामी दिनों में गठित होने वाली 18वीं लोकसभा के लिए असामान्य स्थिति पैदा हो गई है। हालांकि कानून के तहत उन्हें नए सदन की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी, लेकिन उन्हें संसद सदस्य के रूप में शपथ लेने का संवैधानिक अधिकार है। अब सवाल यह उठता है कि क्या जेल में बंद इन नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ लेने की अनुमति दी जाएगी यदि हां, तो कैसे। संविधान विशेषज्ञ और पूर्व लोकसभा महासचिव पी.डी.टी. आचारी ने कानूनी पहलुओं को समझाते हुए ऐसे मामलों में संवैधानिक प्रावधानों का पालन करने के महत्व पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि सांसद के रूप में शपथ लेना एक संवैधानिक अधिकार है। चूंकि इंजीनियर राशिद और अमृतपाल सिंह फिलहाल जेल में हैं, इसलिए उन्हें शपथ ग्रहण समारोह के लिए संसद तक ले जाने के लिए अधिकारियों से अनुमति लेनी होगी। उन्होंने कहा कि शपथ लेने के बाद उन्हें वापस जेल भेज दिया जाएगा। यदि इंजीनियर राशिद या अमृतपाल सिंह को दोषी ठहराया जाता है और उन्हें कम से कम दो साल के कारावास की सजा होती है तो वे सुप्रीम कोर्ट के 2013 के फैसले के मुताबिक लोकसभा में अपनी सीट तुरंत गंवा देंगे। न्यायालय के फैसले के मुताबिक ऐसे मामलों में सांसदों और विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया जाता है। खालसा ने कहा कि हमने रणनीति पर चर्चा की है, लेकिन हमारे लिए अमृतपाल की रिहाई महत्वपूर्ण है और हम इसके लिए सभी जरुरी कानूनी सहायता ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमृतपाल सिंह को जल्द ही रिहा किया जाना चाहिए, क्योंकि पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार और केंद्र में एनडीए की निवर्तमन सरकार के पास कोई अन्य विकल्प नहीं है। वकील ने कहा कि सिख समुदाय ने उन्हें वोट दिया, क्योंकि उन्होंने उनमें नेतृत्व की क्षमता देखी है और वह उनकी चिंताओं को आवाज दे सकते हैं।

उन्होंने कहा कि अमृतपाल सिंह ने नशा-मुक्त पंजाब के लिए 'अमृत संचार' की शुरुआत की थी और वह अच्छा काम कर रहे थे। 'आप' सरकार ने उनके खिलाफ साजिश रची और राजनीतिक लाभ के लिए उन्हें झूठे आरोपों में सलाखों के पीछे डाल दिया। अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी को असंवैधानिक और गैरकानूनी बताते हुए अमृतपाल के वकील ने कहा कि चुनावों में उनकी जीत ने साबित कर दिया है कि लोग उनके साथ हैं।

संक्षिप्त समाचार

एक देश, एक चुनाव में साथ.....यूसीसी को लेकर हमारा पुराना रुख कायम

जेडीयू ने कहा अग्निवीर योजना में बदलाव जरुरी

पटना। लोकसभा चुनाव के बाद एनडीए की सहयोगी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने बड़ा बयान देकर कहा है कि यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) पर हमारा रुख आज भी पहले जैसा है। जेडीयू महासचिव और प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि हमारी पार्टी ने पहले भी कहा था कि इस मामले पर सभी स्टेट होल्डर को साथ लेकर उनके विचारों को समझने की जरूरत है। वहीं वन नेशन, वन इलेक्शन का समर्थन कर त्यागी ने कहा कि जहां तक एक देश एक चुनाव की बात है हम उसके समर्थन में हैं। वहीं अग्निवारी योजना का जिक्र कर त्यागी ने कहा कि अग्नि वीर योजना को लेकर के बहुत विरोध हुआ था और चुनाव में भी उसका असर देखने को मिला है। इस योजना पर फिर से विचार करने की जरूरत है। त्यागी ने कहा, हम एनडीए के मजबूत हिस्सेदार के रूप में सामने आए हैं। हम एनडीए सरकार में कई अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। हम लंबे समय से मांग कर रहे हैं कि अगर बिहार से पलायन रोकना है, तब बिहार को बविशेष राज्य का दर्जा देना चाहिए।

गेहूं चावल का उत्पादन बढ़ा, अन्य खाद्यान्न का उत्पादन घटा

नई दिल्ली। कृषि मंत्रालय ने वर्ष 2023 -24 के तीसरे अग्रिम अनुमान के आंकड़े जारी किए हैं। उसके अनुसार पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गेहूं की उच्च पैदावार हुई है। पिछले अनुमान के अनुसार गेहूं का उत्पादन 112.02 में मिलियन टन होने का अनुमान लगाया गया था। तीसरी रिपोर्ट में अब 112.92 मिलियन टन पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। चावल का उत्पादन भी बढ़ने की उम्मीद की जा रही है। पिछले साल 135.76 मिलियन टन चावल का उत्पादन होने का अनुमान था। अब इसे बढ़ाकर 136.7 मिलियन टन होने का अनुमान है। इस बार दलों का उत्पादन पिछले साल की तुलना में लगभग 6 फ़ीसदी घट गया है। पिछले साल 26.6 मिलियन टन दाल का उत्पादन था। जो अब 24.47 मिलियन टन रहने का अनुमान है। महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे प्रमुख राज्यों में खराब मानसून के कारण दालों के उत्पादन में कमी देखने को मिल रही है। भारत के विभिन्न राज्यों में उड़द और मूंग का उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में कम हुआ है। वहीं तुवर और मसूर का उत्पादन पिछले साल की तुलना में बेहतर होने का अनुमान लगाया गया है। पिछले वर्ष 329.89 मिलियन टन खाद्यान्न का उत्पादन हुआ था। इस साल 328.85 मिलियन टन खाद्यान्न का उत्पादन होने का अनुमान है।

5G स्पेक्ट्रम की नीलामी टली, अब 25 जून को

नई दिल्ली। केंद्रीय दूरसंचार विभाग ने 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी को टाल दिया है। यह नीलामी 6 जून से शुरू होने वाली थी। दूरसंचार विभाग के नए निर्णय से, अब 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी 25 जून से शुरू होगी।तीसरी बार स्पेक्ट्रम की नीलामी का समय बढ़ाया गया है। पहले 20 मई को नीलामी होनी थी, चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण इसे 6 जून किया गया था। सरकार का गठन नहीं होने के कारण,अब नीलामी की तारीख बढ़ाकर 25 जून कर दी गई है।

इजरायल ने स्कूल में रह रहे बच्चों और महिलाओं पर बरसाए बम, 30 की मौत

गाजा। अबकी बार इजरायली सेना ने मध्य गाजा पट्टी के नुसेरात शिविर में रह रहे निर्दोष लोगों को निशाना बनाते हुए हवाई हमले किए। स्कूल पर किए हमले में कम से कम 30 फिलिस्तीनी मारे गए और कई घायल हो गए। मारे गए लोगो में अधिकांश बच्चे और महिलाएं थीं। हमास द्वारा संचालित गाजा सरकार के मीडिया कार्यालय ने एक बयान में स्कूल पर इजरायल के हमले की निंदा करते हुए इसे भयानक नरसंहार बताया और कहा कि इजरायली सेना द्वारा इन हमलों को जारी रखना नरसंहार के अपराध का स्पष्ट सबूत है। कार्यालय ने कहा कि इजरायल और अमेरिका को मानवता को खतरे में डालने वाले और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने वाले इन अपराधों की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इजरायली पक्ष ने अभी तक इस घटना पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। गुरुवार सुबह चीन की ने गाजा के अस्पताल अधिकारियों के हवाले से बताया कि एक इजरायली लड़ाकू जेट ने स्कूल की कम से कम तीन कक्षाओं पर बमबारी की और कई लोगों को मौत की नींद सुला दिया। इजरायल ने ताजा हमले मीडिल गाजा स्थित एक स्कूल में हुए। इस स्कूल में सैकड़ों फिलिस्तीनियों ने शरण ले रखी है। उधर, अमेरिका आईसीसी के उस कदम पर भड़का हुआ है, जिसमें नेतन्याहू और इजरायली अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हो सकता है। गाजा और राफा में जमकर कत्लेआम कर रही इजरायली सेना पर अमेरिका ने फिलहाल नरमी बरकरार रखी है। अमेरिकी सरकार का कहना है कि वह इजरायल को अपना समर्थन जारी रखेगा। उसने अपनी संसद में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) के इजरायल पर ऐक्शन के खिलाफ कदम उठाने की कार्यवाही शुरू कर दी है।

सीरियल हत्यारों की कमी से अच्छे उपन्यास लिखना मुश्किल

–अमेरिकी लेखक ने किया चौंकाने वाला दावा!

लंदन। एक उपन्यास लेखक ने यह कह कर चौंका दिया है कि सीरियल हत्यारों की कमी की वजह से अच्छे उपन्यास लिखना मुश्किल होता जा रहा है। मशहूर क्राइम राइटर हरलान कोबेन ऐसा ही मानते हैं अमेरिकी लेखक ने पागल हत्यारों के बारे में कई हिट रिलीज़ की हैं, जिन्हें फ़ूल मी वन्स और द स्ट्रेंजर सहित टीवी ड्रामा में बदल दिया गया है। उनका मानना है कि आधुनिक पुलिसिंग के कारण कहानियों के प्लॉट को यथार्थवादी बनाना मुश्किल होता जा रहा है। 62 वर्षीय कोबेन ने थिंक ट्वाइस नामक एक नया उपन्यास लिखा है। उनका कहना है कि अब बहुत कम सीरियल किलर हैं। अमेरिका पहले उनसे भरा हुआ था। ऐसा नहीं है कि हम मानसिक रूप से स्वस्थ हो रहे हैं, यह पक्का है। लेकिन क्या सीरीयल किलर्स की कमी या उनका सुर्खियों में पहले की तरह ना रहना इस तरह के उपन्यासों की लोकप्रियता में कमी का अपने आप में संकेत तो नहीं है? कहीं ऐसा तो नहीं है कि कोबेन का यह बयान लोकप्रियता हासिल करने के लिए कौतूहल पैदा करने की कोशिश है। लेकिन सीरियल किलर्स की कमी के बारे में उन्होंने कहा कि बस इतना है कि अब किसी भी अपराधी का बच पाना वाकई मुश्किल है। हर किसी के पास फ़ोन है, हर किसी पर नजर रखी जा रही है, हर जगह सीसीटीवी है। फ्रएक सीरियल किलर उपन्यास कैसे लिखा जाए जो मुझे पसंद आए और जो आज की दुनिया में काम आए, यह दिलचस्प है। फ्र 1970 के दशक में अमेरिका में 300 ज्ञात सीरियल किलर थे, लेकिन 2010 तक इनकी संख्या मात्र 50 रह गई। ब्रिटेन में भी ऐसा ही ट्रेंड देखा गया है। लेकिन एक सवाल यह भी है क्या क्राइम नॉवेल की लोकप्रियता केवल समाज में हो रही आपराधिक घटनाओं की अधिकता पर ही निर्भर हैं? क्या लेखन के लिए केवल कल्पना ही काफी है या फिर असल जिंदगी में होने वाली घटनाएं भी प्रेरणा का काम करने के लिए जरूरी हैं। यह सवाल फिक्शन नॉवल यानी काल्पनिक उपन्यासों के बारे में ज्यादा पूछा जाता है जिनमें अपराध संबंधी कहानियों के साथ रोमांटिक कथाओं की ज्यादा मांग होती है। गुजरते समय से संबंधित लिखे गए उपन्यास काफी सुर्खियां बटोरते हैं और लोगों में कौतूहल पैदा करते हैं।

अंतरिक्ष में ग्रहों ने लगाई परेड.... दिखी दुर्लभ और अदभुत तस्वीर

लंदन। हाल ही में अंतरिक्ष में ग्रहों की परेड दिखाई दी है। दुर्लभ और आश्चर्यजनक तस्वीर में हमारे सौर मंडल के छह ग्रह सुबह से पहले के आकाश में सीधी लाइन में दिखाई दिए। इससे जुड़ी तस्वीर सामने आई है। इसमें बुध, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेपच्यून को एक सीध में देखा जा सकता है। मंगल और शनि एक अर्द्धचंद्र के पास साफ–साफ दिख रहे हैं। जबकि बाकी ग्रहों की स्थिति नग्न आंखों से देखने के लिए बहुत दूर थी। इन तस्वीर में मंगल और शनि एक अर्धचंद्र के पास साफ दिख रहे हैं। जबकि बाकी ग्रह बेहद दूर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ड्यूरी ने कहा, मैंने रात 2 बजे के पहाड़ी पर चढ़ने का सोचा। जैसे–जैसे समय जाता गया यह वास्तव में एक विशेष अनुभव था। एक के बाद एक ग्रहों को उभरते देखकर और उनकी तस्वीर खींचना शानदार था। तस्वीर खींचते हुए सौरमंडल में हमारी जगह के बारे में मैंने सोचा जो बेहद छोटी है। ग्रह संयोजन की यह घटना तब घटित होती है जब दो या उससे ज्यादा ग्रह आकाश में एक साथ करीब दिखाई देते हैं। हालांकि यह पृथ्वी से देखने पर लगता है कि यह ग्रह बेहद करीब हैं, जबवि वास्तव में वह बहुत दूर–दूर हैं। ये संयोजन दुर्लभ नहीं है। लेकिन बाकी ग्रहों का जुड़ना इसे दुर्लभ बना देते हैं। बुध, शुक्र और पृथ्वी हर 39.6 साल में आकाश में 3.6 डिग्री के भीतर संरेखित होते हैं। सौर मंडल के सभी आठ ग्रहों को एक सीध में आने में 396 अरब साल लगेगा। ये ऐसा कुछ है जो कभी नहीं हुआ और न होगा। क्योंकि इससे पहले सूर्य एक बड़ा लाल तारा बन जाएगा। इस प्रक्रिया में वह बुध, शुक्र और संभव है कि पृथ्वी को निगल जाए।

नाव में विस्फोट से लगी आग, चालक दल के छह सदस्यों की मौत

नागा सिटी। फिलिपीन के सूबू प्रांत में समुद्र में मछली पकड़ने वाली एक नाव में विस्फोट होने से आग लग गई, जिससे चालक दल के करीब छह लोगों की मौत हो गई जबकि अन्य छह को सुरक्षित बचा लिया गया। तटरक्षक अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। तटरक्षक अधिकारियों ने बताया कि नागा शहर के पास एफ/बी किंग ब्रायन नामक नाव में विस्फोट होने से आग लग गई थी। उन्होंने बताया कि नाव के कप्तान सहित जीवित बचे चालक दल के सदस्यों का अस्पताल में इलाज जारी है। अधिकारियों ने कहा कि वे इतने सदमे में हैं कि जांचकर्ताओं को यह नहीं बता पा रहे हैं कि नाव में आग कैसे लगी। तटरक्षक ने बताया कि उनमें से एक की हालत गंभीर है। तटरक्षक अधिकारियों ने बताया कि नाव का इंजन खराब हो गया था जिसके बाद उसमें आग लग गई, जिससे चालक दल के सदस्य घायल हो गए तथा अन्य लोग घबराहट के कारण समुद्र में कूद गए। पास से गुजर रही एक टगबोट ने आग बुझाने में मदद की। जिसके बाद तटरक्षक के अधिकारियों ने खोज–बचाव अभियान शुरू किया।

दुर्घटना में चार यात्रियों की मौत, 23 घायल

पर्डूबिस। चेक गणराज्य में यात्री रेलगाड़ी और एक मालगाड़ी के बीच टक्कर में चार यात्रियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। गृहमंत्री विट रकुसन ने बताया कि इस दुर्घटना में कम से कम 23 यात्री घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि यह घटना प्राग से लगभग 100 किलोमीटर पूर्व में पर्डूबिस शहर में हुई। गृह मंत्री ने बताया कि यात्री रेलगाड़ी निजी कंपनी 'रेजियोजेट' की थी। परिवहन मंत्री मार्टिन कुप्का ने बताया कि प्राग और देश के पूर्वी भाग के बीच प्रमुख रेल लाइन पर परिचालन को बंद करना पड़ा है ,अधिकारी इस घटना की जांच कर रहे हैं।

तेल अवीव में इजरायली परिवार बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शन करते हुए।

सुनीता विलियम्स तीसरी बार अंतरिक्ष के लिए रवाना

वाशिंगटन। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स एक अन्य सहकर्मी के साथ तीसरी बार अंतरिक्ष के लिए रवाना हुईं। साथ ही दोनों ने बोइंग कंपनी के स्टारलाइनर यान से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले पहले सदस्य बनकर इतिहास बना दिया। विलियम्स और बुच विल्मोर को लेकर बोइंग का 'क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन' कई बार के विलंब के बाद फ्लोरिडा के 'केप कैनवेरल स्पेस फोर्स स्टेशन' से रवाना हुआ। विलियम्स ने इस तरह के मिशन पर जाने वाली पहली महिला के रूप में भी इतिहास रचा। वर्ष 2012 में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा के दौरान विलियम्स अंतरिक्ष में 'ट्रायथलॉन' पूरा करने वाली पहली व्यक्ति बनी थीं। विलियम्स मई 1987 में अमेरिकी नौसैन्य अकादमी से प्रशिक्षण लेने के बाद अमेरिकी नौसेना से जुड़ी थीं। विलियम्स को 1998 में नासा द्वारा अंतरिक्ष यात्री के रूप में चुना गया था और वह दो अंतरिक्ष अभियानों–2006 में अभियान 14/15 तथा 2012 में 32/33 अभियानों का हिस्सा बनीं। विलियम्स और विल्मोर की यात्रा में 25 घंटे लगने की उम्मीद है। यान गुरुवार को अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचेगा। वे अंतरिक्ष में घूमती प्रयोगशाला में एक सप्ताह से अधिक समय बिताएंगे और इसके बाद 14 जून को वापसी के लिए पश्चिमी अमेरिका के एक दूरस्थ रेगिस्तान में उतरने के वास्ते स्टारलाइनर यान में फिर से सवार हो जाएगें।

कनाडा ने भारत को बताया दूसरा बड़ा खतरा, पीएम मोदी को जीत की बधाई देते हुए ये क्या कह गए ट्रूडो

टोरंटो (एजेंसी)। कनाडा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है। देश के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने गुरुवार सुबह अपने बधाई संदेश में कहा कि चीन के बाद भारत देश के लोकतंत्र के लिए दूसरा सबसे बड़ा विदेशी खतरा है। जस्टिन ट्रूडो पिछले साल खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर भारत के खिलाफ कनाडा के हमले का नेतृत्व कर रहे हैं। ट्रूडो ने कहा कि देश मानवाधिकारों, विविधता और कानून के शासन पर आधारित संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए मोदी सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है।

भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी चुनावी जीत पर बधाई। उनके कार्यालय ने उनके हवाले से कहा, कनाडा हमारे देश के लोगों के बीच मानवाधिकारों, विविधता और कानून के शासन पर आधारित संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए अपनी सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है। कनाडा और भारत के बीच इस आरोप को लेकर कूटनीतिक विवाद चल रहा है कि कनाडा की धरती पर भारतीय एजेंटों ने निज्जर की हत्या की साजिश रची थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी 4 जून को संपन्न हुए भारत के आम चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। भाजपा ने संसद के निचले सदन

लोकसभा में 240 सीटें जीतीं, सीटों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। भाजपा सामान्य बहुमत से 32 पीछे रह गई, जिससे उसे अपने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगियों पर भरोसा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। मोदी संभवत~ 8 जून को पद की शपथ लेंगे। हरदीप सिंह निज्जर, जिन्हें 2020 में भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा आतंकवादी नामित किया गया था, की पिछले साल कनाडा के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस बीच, रिपोर्ट का जिक्र करते हुए जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि उनकी सरकार विदेशी हस्तक्षेप के मामले को 'बहुत गंभीरता से' लेती है।

चीन के दौरे पर पहुंचे पीएम शहबाज शरीफ

–पाकिस्तान को आर्थिक संकट से उबारने की कबायद

वाशिंगटन। बीजिंग (ईएमएस)। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, देश को आर्थिक संकट से उबारने के लिए और सहायता के अनुरोध तथा निवेश की संभावनाओं चर्चा करने के लिए बीजिंग पहुंच चुके हैं। वे चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और अन्य नेताओं के साथ बातचीत करने वाले हैं। चार जून से चीन की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आए पीएम शरीफ ने अत्याधुनिक शहर शेनझेन का दौरा किया और निवेशकों की बैठक को संबोधित किया। शरीफ शी चिनफिंग, प्रधानमंत्री ली क्यांग और अन्य नेताओं से मुलाकात करने वाले है। वे पाकिस्तान-चीन संबंध और व्यापार कार्यक्रम में भी भाग लेने और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजनाओं पर काम कर रही प्रमुख चीनी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ बैठक करने वाले है। खबर में बताया गया कि दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को लेकर कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है। नकदी की कमी से जूझ रही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था गंभीर संकट का सामना कर रही है और उसने औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से छह अरब से आठ अरब अमेरिकी डॉलर के बीच राहत राशि मुहैया कराने का अनुरोध किया है। शेनझेन में निवेशकों की बैठक को संबोधित करते हुए शरीफ ने चीन के कर्मचारियों को उन पर बार-बार हो रहे आतंकी हमलों से पूर्ण सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता शरीफ (72) मार्च में पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार बनने पर दूसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद पहली विदेश यात्रा के लिए चीन में हैं। 'पाकिस्तान-चीन बिजनेस फोरम' को संबोधित करते हुए शरीफ ने चीनी निवेशकों को हरसंभव सुविधा प्रदान करने तथा पाकिस्तान में चीन के नागरिकों, परियोजनाओं और निवेशों की सुरक्षा का आश्वासन दिया।

तालिबान ने महिलाओं सहित 60 लोगों पर बरसाए कोड़े.......यूएनएएमए ने की निंदा

जिनेवा। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) ने सारी पुल प्रांत में तालिबान द्वारा एक दर्जन से अधिक महिलाओं सहित 60 से अधिक लोगों को सार्वजनिक रूप से कोड़े मारे जाने की निंदा की। यूएनएएमए ने बयान में कहा कि अफगानिस्तान के अधिकारियों ने करीब 63 लोगों को कोड़े मारे। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने इसकी कड़ी निंदा कर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों का सम्मान करने के लिए कहा। तालिबान के सुप्रीम कोर्ट ने बयान में 14 महिलाओं सहित 63 लोगों को सार्वजनिक रूप से कोड़े मारे जाने की पुष्टि की। इन लोगों पर अप्राकृतिक यौन उत्पीड़न, चोरी और अनैतिक संबंधों जैसे अपराधों में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। उन्हें एक खेल स्टेडियम में कोड़े मारे गए। तालिबान ने एक उदार शासन देने के वादों के बावजूद, 2021 में फिर से सत्ता पर काबिज होने के बाद सार्वजनिक रूप से कठोर दंड देना शुरू कर दिया। वे लोगों को किसी भी अपराध के लिए फांसी, कोड़े मारना और पत्थर मारने जैसे दंड देते हैं।

मेक्सिको में बर्ड फ्लू से एक व्यक्ति की मौत, डब्ल्यूएचओ ने की पुष्टि

जिनेवा (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि पूर्व एक व्यक्ति जो बर्ड फ्लू से संक्रमित था उसकी अप्रैल में मैक्सिको में मौत हो गई और वायरस के संपर्क का स्रोत अज्ञात था। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि आम लोगों के लिए बर्ड फ्लू वायरस का मौजूदा खतरा कम है। मेक्सिको राज्य के एक 59 वर्षीय व्यक्ति को मेक्सिको सिटी के अस्पताल में भर्ती कराया गया था और 24 अप्रैल को बुखार, सांस, दस्त, मतली के बाद उनकी मौत हो गई। डब्ल्यूएचओ ने एक बयान में कहा कि इस मामले में वायरस के संपर्क का स्रोत अज्ञात है, मेक्सिको में पोल्ट्री में ए(एच5एन2) वायरस की सूचना मिली है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक यह विश्व स्तर पर इन्फ्लूएंजा ए(एच5एन2) वायरस से संक्रमण का पहला मामला था और मेक्सिको में किसी व्यक्ति में एवियन एच5 वायरस का पहला मामला था। वैज्ञानिकों ने कहा कि यह मामला संयुक्त राज्य अमेरिका में एच5एन1 बर्ड फ्लू के प्रकोप से संबंधित नहीं है, जिसने अब तक तीन डेयरी फार्म श्रमिकों को संक्रमित किया है। मेक्सिको के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि व्यक्ति को क्रोनिक किडनी रोग और टाइप 2 मधुमेह था। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के इन्फ्लूएंजा विशेषज्ञ एंड्रयू पेकोज़ ने कहा कि इससे व्यक्ति गंभीर इन्फ्लूएंजा के खतरे में पड़ जाता है, यहां तक कि मौसमी फ्लू के साथ भी, लेकिन यह व्यक्ति कैसे संक्रमित हुआ यह एक बड़ा सवाल है। शुरुआती रिपोर्ट पूरी तरह से संबोधित नहीं करती है। मार्च में, मेक्सिको की सरकार ने देश के पश्चिमी मिचोआकेन राज्य में एक अलग परिवार इकाई में ए(एच5एन2) के प्रकोप की सूचना दी। सरकार ने कहा कि ये मामले दूर-दराज के खेतों या मानव स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरे नहीं हैं। मेक्सिको के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि मामले में व्यक्ति-से-व्यक्ति संचरण का कोई सबूत नहीं मिलता है और पीड़ित के घर के पास के खेतों की निगरानी की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय और डब्ल्यूएचओ ने कहा कि व्यक्ति के संपर्क में आए अन्य लोगों में बर्ड फ्लू की पुष्टि नहीं हुई है। बर्ड फ्लू ने मुख्य रूप से संक्रमित पक्षियों के संपर्क के कारण सील, रैकून, भालू और मवेशियों जैसे स्तनधारियों को संक्रमित किया है।

पुतिन ने जर्मनी को दी चेतावनी बोले- यूक्रेन की मदद की तो अंजाम भुगतना पड़ेंगे

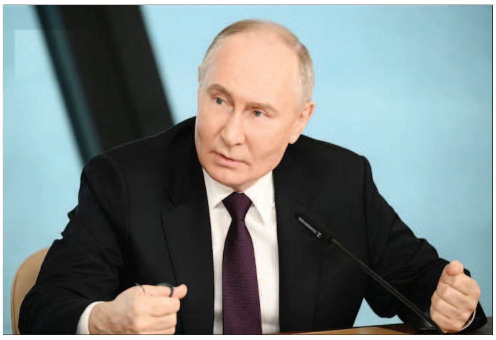

मॉस्को (एजेंसी)। बीते दो सालों से रुस और यूक्रेन के बीच जंग छिड़ी हुई है। दोनों ही देश अपनी अपनी अकड़ में हैं और दुनिया के कुछ देश आग में घी का काम कर रहे हैं। जबकि आम आदमी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। अब यह युद्ध खतरनाक मोड़ पर आ गया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूरोपीय देश जर्मनी को चेतावनी दी है कि अगर उसने यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति की तो अंजाम भुगतने होंगे। पुतिन ने कहा कि जिस तरह पश्चिमी देश यूक्रेन को मदद कर रहे हैं, वह भी उनके खिलाफ युद्ध में कुछ देशों को हथियार सप्लाई पर विचार कर रहा है। रूस ने जर्मनी को चेताया कि अगर वो नहीं रुका तो हमारे बीच के संबंध हमेशा के लिए समाप्त हो जाएंगे।

दरअसल, जर्मनी ने हाल में अमेरिका के साथ मिलकर यूक्रेन को रूसी धरती पर कुछ लक्ष्यों पर हमला करने के लिए अधिकृत किया है और इसके लिए वह कीव को लंबी दूरी के हथियारों की आपूर्ति कर रहा है। पुतिन ने कहा कि यूक्रेन को जर्मन टैंकों की आपूर्ति किया जाना रूस में कई लोगों के लिए एक झटका था। उन्होंने कहा, ''अब अगर वे रूसी क्षेत्र में प्रतिष्ठानों पर हमला करने के लिए मिसाइलों का उपयोग करते हैं तो इससे रूस और जर्मन के संबंध पूरी तरह से बर्बाद हो जाएंगे।'' पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच के इतर 'एसोसिएटेड प्रेस' समेत अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए यह बात कही। इसके अलावा अमेरिकी चुनाव को लेकर पुतिन ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में भले ही किसी की भी जीत हो, इससे रूस-अमेरिका संबंधों में कोई बदलाव नहीं होगा। पुतिन ने कहा, अमेरिका के लोग जिस किसी को भी राष्ट्रपति चुनेंगे, हम उसके साथ काम करेंगे। पुतिन ने यह भी कहा कि एक पॉर्न स्टार को गुप्त तरीके से धन देने के मामले में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पिछले सप्ताह दोषी ठहराया जाना ''आंतरिक राजनीतिक संघर्ष के तहत अदालती प्रणाली के इस्तेमाल'' का परिणाम है।

मोदी 3.0: शपथ ग्रहण को भव्य बनाने की तैयारी, पड़ोस के इन देशों को न्यौता, क्या पुतिन-बाइडेन-जिनपिंग भी आ रहे हैं?

(एजेंसी)। मोदी 3.0 सरकार के गठन की तैयारी तेज हो गई है। अब एनडीए की तीसरे कार्यकाल का शपथ ग्रहण समारोह है तो नजारा भी भव्य होना चाहिए। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों के नेताओं को बुलाने की तैयारी कर ली गई है। लोकसभा चुनाव में 293 सीटों के साथ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत के बाद, मोदी प्रधानमंत्री के रूप में अपने ऐतिहासिक लगातार तीसरे कार्यकाल की शपथ लेने के लिए तैयार हैं।

सूत्रों के मुताबिक, मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए बांग्लादेश, श्रीलंका, भूटान, नेपाल और मॉरीशस की प्रमुख हस्तियों को निमंत्रण दिया जाएगा। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के मीडिया कार्यालय ने पुष्टि की कि मोदी ने उन्हें शपथ ग्रहण समारोह के लिए निमंत्रण दिया है। विक्रमसिंघे ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। इसमें कहा गया कि विक्रमसिंघे ने फोन पर मोदी को चुनावी जीत पर बधाई दी। इसमें कहा गया। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति विक्रमसिंघे को अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया। मोदी ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से भी फोन पर बातचीत की है।

राजनयिक सूत्रों ने बताया कि फोन पर बातचीत में मोदी ने हसीना को अपने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया। ऊपर बताए गए लोगों ने कहा कि नेपाली प्रधान मंत्री पुष्प कमल दहल %प्रचंड%, भूटान के प्रधान मंत्री शेरिंग टोबगे और मॉरीशस के प्रधान मंत्री प्रविंद जुगनौथ को मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया जाना तय है। मोदी ने प्रचंड से अलग से फोन पर बातचीत की है। क्षेत्रीय समूह सार्क (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) देशों के नेताओं ने मोदी के पहले शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया जब उन्होंने भाजपा की भारी चुनावी जीत के बाद प्रधान मंत्री के रूप में बागडोर संभाली। 2019 में मोदी के लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बिम्सटेक देशों के नेताओं ने उनके शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था। मोदी के 8 जून को शपथ लेने की संभावना है।

संपादकीय

आगे देखने का समय

भारत में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच वोटों का अंतर काफी हद तक मिट चुका है। देश के दो प्रमुख राष्ट्रीय दलों- भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस को अगर देखें, तो जहां सत्तारूढ़ भाजपा का वोट प्रतिशत घटा है, वहीं कांग्रेस का बढ़ा है। पहले बात भाजपा की करें, तो पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को 37.3 प्रतिशत मत मिले थे, जिसमें इस बार एक प्रतिशत से कुछ ज्यादा की कमी आई है, पर सीटों की संख्या में तगड़ी गिरावट है। दूसरी ओर, 99 सीट जीतने वाली कांग्रेस का वोट प्रतिशत 19.5 प्रतिशत से बढ़कर 21.2 प्रतिशत हो गया है। वोट शेयर में बढ़त दो प्रतिशत भी नहीं है, लेकिन कांग्रेस की सीटों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। अगर हम राज्यवार जाएं, तो उत्तर प्रदेश में एनडीए और विपक्षी गठबंधन के मतों में अंतर एक प्रतिशत भी नहीं रह गया है, जबकि महाराष्ट्र में तो वोटों के मामले में इंडिया ब्लॉक मामूली अंतर के साथ एनडीए से आगे निकल गया है। पिछली बार उत्तर प्रदेश में विपक्षी गठबंधन कम से कम 11 प्रतिशत वोटों से पीछे था। वोटों के आंकड़े आने वाले दिनों में स्पष्ट होंगे, लेकिन यह तय है कि विपक्ष ने वोटों की एक बड़ी खाई को पाट दिया है। कांटे की यह टक्कर आखिर क्या इशारा कर रही है? शायद दलों के बीच का अंतर घट रहा है। आम आदमी पार्टी को ही अगर हम देखें, तो बड़े दावे के साथ यह पार्टी राजनीति में आई थी। इस बार भी चुनाव अभियान बहुत जोर-शोर से चलाया गया था, पर अपने राज्य पंजाब में वह महज तीन सीट पर जीत दर्ज कर सकी है। पिछली बार पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने विपक्ष पर बिल्कुल झाड़ू फेर दिया था। शायद आम आदमी पार्टी में लोगों को कुछ खास नहीं दिखा। दिल्ली में भी पार्टी ने बहुत मेहनत की थी, चुनाव प्रचार के लिए अरविंद केजरीवाल विशेष जमानत के साथ बाहर आए थे। अंतर पैदा करने के वादे के साथ वह आए थे, लेकिन अब बाकी सहयोगी दलों जैसे ही लगने लगे हैं। ध्यान देने की बात है कि लोक-कल्याणकारी या जनहित या मुफ्त उपहार के अनेक वादे लगभग हर पार्टी ने किए हैं। इन पार्टियों के घोषणापत्र में बहुत ज्यादा अंतर नहीं रह गया है, जिसके नतीजे हम साफ देख रहे हैं। अब भविष्य के लिए राजनीतिक दलों के पास क्या योजनाएं हैं? कांग्रेस ने बड़े वादे किए थे, क्या वह अपने वादों को अपने द्वारा शासित राज्यों में लागू करेगी? राम मंदिर और अनुच्छेद 370 जैसे वादे पूरे करने के बाद भाजपा को समान आचार संहिता के अलावा भी बड़े ठोस सपने देखने होंगे? जनता ने एनडीए पर अगर तीसरी दफा भरोसा जताया है, तो विशेष रूप से भाजपा को राष्ट्रहित के नए विचारों के साथ सामने आना चाहिए। ईमानदारी से यह देखना होगा कि किन मुद्दों पर लोगों में नाराजगी है। यह संकेत मिल रहा है कि एनडीए का तीसरा कार्यकाल आर्थिक सुधारों पर केंद्रित हो सकता है। आम आदमी को राहत देने के लिए कदम उठाने पड़ेंगे। रोजगार जहां तक संभव है और जितनी जल्दी संभव है, देने में ही भलाई है। नौकरीपेशा और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए कुछ ठोस करना होगा। यह सुरक्षा और सुरक्षा बलों के लिए भी सोचने का समय है। लोगों ने इशारा कर दिया है कि वे तमाम पार्टियों और सरकार को अच्छी राजनीति और अच्छी सेवा करते देखना चाहते हैं।

आज का राशीफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कारगर योजना ही कर सकेगी तापमान से मुकाबला

दिनेश सी. शर्मा

भारत के उत्तर पश्चिमी, मध्य, हिमालयी अंचल और महाराष्ट्र में इन दिनों झुलसाने वाली ग्रीष्म लहर चल रही है। मंगलवार को हरियाणा के सिरसा और राजस्थान के चुरू में पारा 50 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। पंजाब, हरियाणा और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र के अधिकांश भाग में दिन का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच जाता है। अनेक सूबों में अस्पतालों में गर्मी संबंधित मामलों में उछाल आया है और कुछ राज्यों में लू लगने से मौतें भी दर्ज हुई हैं। फिल्मी सितारे शाहरुख खान को भी गर्मी से पीड़ित होने के बाद अहमदाबाद के अस्पताल में दाखिल होना पड़ा। स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव के अलावा तीव्र गर्मी का असर अनेकानेक क्षेत्रों की उत्पादकता पर होने लगा है, जिसका आगे अर्थव्यवस्था पर काफी प्रभाव होगा। महज यह हिदायतें जारी करना कि लोग घर के अंदर बने रहें और पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, नाकाफी है। तापमान के उछाल को नाथने के लिए हमें बृहद नीति बनाने की जरूरत है, जो आज की तारीख में नदारद है। अलबत्ता तापमान संबंधी सटीक पूर्वानुमान और चेतावनियों के साथ मौसम विभाग का काम प्रशंसनीय है। एक मार्च को इस विभाग ने मार्च से मई की अवधि के लिए तापमान संबंधी अग्रिम पूर्वानुमान जारी किया था। इसमें देश के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक रहना बताया गया था। एक अप्रैल को जारी किए संशोधित पूर्वानुमान में जून माह तक के लिए सामान्य से अधिक गर्मी रहने का अनुमान वाले अंचलों की इलाकावार जानकारी अधिक तफ्सील से दी गई। इसमें चेतावनी दी गई कि लंबे समय तक खिंचने वाली अत्याधिक गर्मी के सत्र से शरीर में जल की कमी हो सकती है और बुनियादी तंत्र जैसे कि पॉवर ग्रिड और परिवहन व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। इन चुनौतियों का हल निकालने के लिए, यह जरूरी है कि प्रशासन सक्रिय होकर उपाय करे। सरकारी की एक अन्य एजेंसी राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, मौसम में बदलावों एवं मानव स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम संचालित करती है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र द्वारा जारी परामर्श पत्र में एक भाग गर्मी संबंधित रोग पर है, इसमें ध्यान का केंद्र लोगों की भीड़ वाले आयोजन और खेल प्रतियोगिताओं पर है जैसे कि इंडियन प्रीमियर लीग, जो 22 मार्च को शुरू होकर 26 मई को खत्म हुई। इस दौरान सात चरणों वाली लोकसभा चुनावी प्रक्रिया 19 अप्रैल से आज तक चलनी है। अत्यधिक गर्मी झेल रहे इलाकों में मतदाताओं की संख्या उम्मीद से कम रही। कुछ मौकों पर चुनाव प्रचार कर रहे प्रत्याशी तीव्र तापमान की वजह से बेहोश भी हुए हैं। बेशक आईपीएल के मैच देर शाम को शुरू होते हैं लेकिन अधिकतर वक्त दर्शक आमतौर पर दोपहर से ही दीर्घा में जमने शुरू हो जाते हैं। इस समय तापमान सबसे ज्यादा उरोज पर होता है और खिलाड़ी भी अभ्यास दिन में करते हैं। बड़ी भीड़ वाले आयोजनों के लिए जारी हिदायतों की भांति शहरों को अपनी ग्रीष्म कार्य योजना बनाकर अमल में लाना चाहिए। इस किस्म की योजनाओं में लू का स्वास्थ्य पर प्रभाव संबंधी सार्वजनिक जागरूकता बनाना, जरूरत बनने पर गर्मी संबंधित रोग से निपटने को पूर्व तैयारी करना शामिल हो। संबंधित तमाम सरकारी एजेंसियों को आपसी तालमेल बनाकर, लोगों में लू लगने की संभावना में कमी लाने संबंधी जागरूकता बनाना एवं निदान उपाय अपनाने का अभियान चलाना चाहिए। छांव देने वाले ढांचे तैयार किए जाने चाहिए। खुले में शारीरिक श्रम करने वाले मजदूरों के काम करने के घंटे इस तरह तय हों ताकि वे तीव्र धूप का शिकार बनने से बचें। केंद्र सरकार के कहने पर भीड़भाड़ वाले आयोजनों के लिए जिस किस्म की निर्देशावली बनी है, वैसी बहुत से शहर और सूबे अपने यहां नहीं कर पाए। जबकि अहमदाबाद का प्रमाण प्रत्यक्ष है, जहां पर 2013 से अपनाई कार्य योजना से तीव्र गर्मी संबंधित मृत्यु दर में कमी आई है। तेलंगाना और ओडिशा ने भी अपनी तापमान कार्ययोजना बना रखी है लेकिन इन योजनाओं का असर इन पर अमल करने की दक्षता पर निर्भर करता है। यह तथ्य है कि शहरों में गर्मी की तीव्रता स्थानीय कारक जैसे कि जनसंख्या घनत्व, कंक्रीट ढांचों की सघनता, पेड़ों की संख्या में कमी इत्यादि से भी संबंधित है। कई सालों से वैज्ञानिक 'शहरी गर्म टापू' के बारे में कहते आए हैं, जिसमें शहर का एक भाग विशेष अन्य इलाकों की अपेक्षा ज्यादा तप जाता है। इन 'शहरी गर्म टापुओं' के पीछे स्थानीय अवयव जैसे कि हरियाली और तालाबों की कमी, स्थानीय औद्योगिक गतिविधियां, गर्मी सोखने वाले कंक्रीट के भवन, हवा के आरपार निकलने के इंतजाम में कमी और एयर कंडीशनरों से निकली गर्म हवा तापमान बढ़ाती है। मसलन, दिल्ली की घनी आबादी वाला सीताराम बाज़ार हो या फिर कनाट प्लेस या भीकाजी कामा प्लेस, वहां पारा आसपास के इलाकों से कुछ अधिक ही दर्ज होता है, जिससे कि यह भाग 'शहरी गर्म टापुओं' में तब्दील हो जाते हैं। भारत के 114 शहरों पर आधारित आईआईटी भुवनेश्वर द्वारा किया हालिया सर्वेक्षण बताता है कि शहरों में गर्मी की तीव्रता भारत के शेष भूभाग की आबादी वाले इलाकों की अपेक्षा लगभग दोगुणी महसूस होती है। उत्तर-पश्चिमी, उत्तर-पूरबी और दक्षिणी भारत में भूमि सतह के रात्रि-तापमान में बढ़ोतरी अधिक पाई गई है। आईआईटी-गांधीनगर द्वारा करवाए अध्ययन में चेतावनी दी गई कि तेजी से हो रहे शहरीकरण की वजह से बने 'शहरी गर्म टापुओं' से भारतीय नगरों में गर्मी की तीव्रता और बदतर होगी। पर्याप्त सबूत बताते हैं कि इस असर को नियंत्रित करने के लिए सरकारी एजेंसियों को गर्मी-कार्य योजना शुरू करनी ही होगी। यह देखते हुए कि ग्रीष्म लहर के दौरान रात के तापमान में इजाफा काफी हुआ है, अप्रत्यक्ष ठंडक उपाय करना जैसे कि हवा की आरपार निकासी, छांव बनाना, गर्मीरोधी एवं सूर्य किरण परावर्तित करने वाली परत चढ़ाना इत्यादि से भवन के अंदरूनी तापमान को नीचे लाया जा सकता है। भवन निर्माण संहिता में ऐसी निर्माण सामग्री का इस्तेमाल करने को बढ़ावा देना चाहिए, जो कम गर्मी सोखने वाली हो। साथ ही यह खूबी लंबे वक्त तक कायम रखने वाली हो ताकि गर्मी सोखने से बने तापमान का स्तर नीचे लाया जा सके। तालाबों की उपस्थिति और हरियाली रात्रिकालीन गर्मी में अतिरिक्त कमी लाने में मददगार हो सकती है। गर्मीरोधक योजना में सुझाव दिया गया है कि निम्न आयवर्ग के घरों की छत ठंडी रहने वाली सामग्री से बनी हो ताकि कमरे के अंदर का तापमान नीचा रहे। हमें ऐसी जन कल्याणकारी नीतियों की जरूरत है जो इस किस्म के गर्मीरोधक उपायों की रूपरेखा और क्रियान्वयन हेतु समन्वित कार्ययोजना को बढ़ावा देते हों। यह नीतियां अनेकानेक क्षेत्रों के लिए विकसित की जाएं जैसे कि स्वास्थ्य, नगर योजना, पर्यावरण, परिवहन, शिक्षा, श्रम, बुनियादी ढांचा, निर्माण, वित्त इत्यादि। क्रियान्वन के लिए, नगर निगमों और शहरी निकायों को तकनीकी एवं वित्तीय सहायता मुहैया करवाई जाए। वैज्ञानिक बिरादरी, स्थानीय लोगों और सिविल सोसायटी को साथ जोड़ना अहम है। भीषण गर्मी में बढ़ोतरी से निपटने के उपाय केवल मौसम विभाग या स्वास्थ्य क्षेत्र के जिम्मे छोड़ने से यह काम नहीं बनने वाला।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के जानकार हैं।

रोकनी होगी भोजन की बर्बादी?

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

(7 जून विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस)

रोटी, कपड़ा और मकान मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताएं मानी जाती है। जिसके बिना मनुष्य का जीवन बहुत मुश्किल है। इसमें रोटी सबसे महत्वपूर्ण है। क्योंकि रोटी के बिना तो मनुष्य जिन्दा भी नहीं रह सकता है। खाद्य सुरक्षा का उद्देश्य यह सुनिश्चित किया जाना है कि हर व्यक्ति को पर्याप्त मात्रा में सुरक्षित और पौष्टिक भोजन मिल सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार दुनिया में हर दस में से एक व्यक्ति दूषित भोजन का सेवन करने से बीमार पड़ जाता है। जो कि सेहत के लिए एक बड़ा खतरा है। कोरोना महामारी के संक्रमण को देखते हुए इस बार विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस संक्षिप्त रूप में मनाया जाएगा। जिसमें लोगों को सेहत से जुड़े मुद्दों पर ऑनलाइन एक-दूसरे के साथ बातचीत करने का मौका मिलेगा। इस बार हम छठवां विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मना रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार इससे खाद्य सुरक्षा लेकर लोगों में जागरूकता फैलाई जा सकती है और विश्व स्तर पर खाद्य पदार्थों से होने वाली बीमारियों को भी ध्यान में लाया जा सकता है। इस दिन को मनाने के पीछे खाद्य सुरक्षा के प्रति लोगो को जागरूक करने का उद्देश्य था। जो खराब भोजन का सेवन करने की वजह से गंभीर रोगों के शिकार बन जाते हैं।

भोजन की कमी व दूषित भोजन खाने से प्रतिवर्ष हजारों लोगों की जान चली जाती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व स्वास्थ्य संगठन और खाद्य और कृषि संगठन को दुनिया भर में खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों का नेतृत्व करने और पौष्टिक खाने के प्रति लोगों को जागरुक करने की जिम्मेदारी दी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर 2018 में पहली बार खाद्य और कृषि संगठन के सहयोग से विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया था। इसके बाद पहली बार 7 जून 2019 में विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया गया था। तब से हर वर्ष 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया जाने लगा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पूर्व में अपने मन की बात कार्यक्रम में देश की जनता से बात करते हुए लोगों से खाने की बर्बादी रोकने की अपील की थी। उन्होने कहा कि ऐसा करना गरीबों के साथ अन्याय व समाजद्रोह है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि आपने कभी सोचा है कि हम जो जूठन छोड़ देते हैं। उससे हम कितने गरीबों का पेट भर सकते है? उन्होने कहा था कि इस पर सामाजिक जागरूकता बढनी चाहिए।भारत में अनाज को अन्नदेव का दर्जा प्राप्त है। यही कारण है कि हमारे देश में भोजन झूठा छोडना या उसका अनादर करना पाप माना जाता है। मगर आधुनिकता के चक्कर में हम अपने पुराने संस्कार भूल गए हैं। हमारे यहां शादियों, उत्सवों या त्यौहारो में होने वाली भोजन की बर्बादी से हम सब वाकिफ हैं। इसके उपरांत भी हम इन अवसरों पर ढेर सारा खाना कचरे में फेंक है। कई बार तो घरों के आसपास फेंके गए भोजन से उठने वाली दुर्गंध एवं सड़ांध वहां रहने वालों के लिए परेशानी खड़ी कर देती हैं। शादियों में खाने की बर्बादी को लेकर भारत सरकार भी चिंतित है। खाद्य मंत्रालय ने कहा है कि वह शादियों में मेहमानों की संख्या के साथ ही परोसे जाने वाले व्यंजनों की संख्या सीमित करने पर विचार कर रहा है। इस बारे में विवाह समारोह अधिनियम, 2006 कानून भी बनाया गया है। हालांकि इस कानून का कड़ाई से कहीं भी पालन नहीं किया जाता है।

भारत में हर वर्ष जितना भोजन तैयार होता है उसका एक तिहाई बर्बाद चला जाता है। बर्बाद जाने वाला भोजन इतना होता है कि उससे करोड़ो लोगों की खाने की जरूरत पूरी हो सकती है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भारत में बढ़ती सम्पन्नता के साथ ही लोग खाने के प्रति असंवेदनशील हो रहे हैं। खर्च करने की क्षमता के साथ ही खाना फेंकने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। विश्व खाद्य संगठन के अनुसार देश में हर साल पचास हजार करोड़ रूपये का भोजन बर्बाद चला जाता है। एक ऑकलन के मुताबिक बर्बाद होने वाले भोजन की धनराशि से पांच करोड़ बच्चों की जिदगी संवारीं जा सकती है।

विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य अपव्यय को रोके बिना खाद्य सुरक्षा सम्भव नहीं है। इस रिपोर्ट में वैश्विक खाद्य अपव्यय का अध्ययन पर्यावरणीय दृष्टिकोण से करते हुए बताया है कि भोजन के अपव्यय से जल,जमीन और जलवायु के साथ साथ जैव-विविधता पर भी बेहद नकारात्मक असर पड़ता है। रिपोर्ट के मुताबिक हमारी लापरवाही के कारण पैदा किए जाने वाले अनाज का एक तिहाई हिस्सा बर्बाद कर दिया जाता है। देश में एक तरफ करोड़ो लोग खाने को मोहताज है। वहीं लाखों टन खाना प्रतिदिन बर्बाद किया जा रहा है।

हमारे देश में हर साल उतना गेहूं बर्बाद होता है, जितना आस्ट्रेलिया की कुल पैदावार है। नष्ट हुए गेहूं की कीमत लगभग 50 हजार करोड़ रुपये होती है और इससे 30 करोड़ लोगों को सालभर भरपेट खाना दिया जा सकता है। हमारे देश में 2.1 करोड़ टन अनाज केवल इसलिए बर्बाद हो जाता है। क्योंकि उसे रखने के लिए हमारे पास पर्याप्त भंडारण की सुविधा नहीं है। औसतन हर भारतीय एक साल में छह से 11 किलो अन्न बर्बाद करता है। साल में जितना सरकारी खरीदी का धान व गेहूं खुले में पड़े होने के कारण नष्ट हो जाता है। उतनी राशि से गांवो में पांच हजार वेयर हाउस बनाए जा सकते हैं।आज कल कई शहरो में समाजसेवी लोगो ने मिलकर रोटी बैंक बना रखा हैं। रोटी बैंक से जुड़े कार्यकर्ता शहर में घरो से व विभिन्न समारोह स्थलों से बचे हुये भोजन को एकत्रित कर जरूरत मंद गरीबो तक पहुंचाते हैं। इससे जहां भोजन की बर्बादी रूकती हैं वहीं जरूरत मंदो को भोजन भी उपलब्ध होता है। इस दिशा में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अभियान सोंचे, खाए और बचाए भी एक अच्छी पहल है। इसमें शामिल होकर की भोजन की बर्बादी रोकी जा सकती है। वर्तमान समय में समाज के सभी लोगों को मिलकर भोजन की बर्बादी रोकने के लिये सामाजिक चेतना लानी होगा। तभी भोजन की बर्बादी रोकने का अभियान सफल हो पायेगा।

खाने की बर्बादी रोकने की दिशा में देश में महिलाएं बहुत कुछ कर सकती हैं। महिलाओं को अपने घर के बच्चों में बचपन से यह आदत डालनी होगी कि जितनी भूख हो उतना ही खाना लो। एक-दूसरे से बांट कर खाना भी भोजन की बर्बादी को बड़ी हद तक रोक सकता है। भोजन की बर्बादी रोकने के लिए हमें अपनी आदतों को सुधारने की जरूरत है। धार्मिक लोगों एवं स्वयंसेवी संगठनों को भी इस दिशा में पहल करनी चाहिए।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

विचार मंथन

भारत के राष्ट्रीय राजनीतिक दल?

(लेखक- सनत जैन)

2024 के लोकसभा चुनाव संपन्न हो गए हैं। चुनाव परिणाम भी आ गए हैं। जो चुनाव परिणाम आए हैं। उनमें 12 राज्यों में कांग्रेस का एक भी सांसद चुनाव नहीं जीता है। वहीं नौ राज्यों में भारतीय जनता पार्टी का एक भी सांसद चुनाव नहीं जीत पाया है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही राष्ट्रीय राजनीतिक दल होने का दम भरते हैं। पिछले कई चुनाव में कांग्रेस पिछड़ती जा रही थी। पिछले दो लोकसभा चुनाव से भारतीय जनता पार्टी ने देश के कई राज्यों में अपनी पहुंच बनाई थी। 2024 आते आते तक कोई भी ऐसा राष्ट्रीय राजनीतिक दल नहीं है। जिसे संसद में सभी राज्यों का प्रतिनिधित्व प्राप्त हो। भारतीय जनता पार्टी को दक्षिण के सबसे बड़े राज्य तमिलनाडु में एक भी सीट हासिल नहीं हुई है। पांडिचेरी में भाजपा गठबंधन की सरकार होते हुए भी, वह लोकसभा के चुनाव में एक भी उम्मीदवार नहीं जिता पाई । सीमावर्ती राज्य पंजाब में भी भाजपा को एक भी सीट नहीं मिली। पूर्वोत्तर राज्यों में मणिपुर नगालैंड और सिक्किम में भाजपा खाता नहीं खोल पाई है। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में भी इस बार भारतीय जनता पार्टी का सफाया हो गया है। भारतीय जनता पार्टी को, नौ राज्यों में एक भी लोकसभा की सीट हासिल नहीं हुई है। स्वतंत्रता आंदोलन की पार्टी कांग्रेस भी पिछले तीन दशक से राष्ट्रीय स्तर पर काफी कमजोर होती जा रही है। नेताओं वाली पार्टी कांग्रेस को, 2014 और 2019 की तुलना में 2024 के चुनाव में बड़ी सफलता मिली है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा और भारत न्याय यात्रा के माध्यम से कांग्रेस को पुनर्जीवित करने का प्रयास जरूर किया है। इस चुनाव में उसका लाभ कांग्रेस को मिला है। देशभर के विभिन्न राज्यों के सैकड़ो कांग्रेस नेता और हजारों कार्यकर्ता चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। कई राज्यों में कांग्रेस का संगठन नहीं होने तथा राज्यों की अलग-अलग समस्याओं से कांग्रेस का कोई सीधा संबंध नहीं रह गया था। कांग्रेस और भाजपा के कमजोर होने का लाभ चुनाव मे क्षेत्रीय दलों को मिला। कई राज्यों में क्षेत्रीय दल भाषा और प्रांतीय संस्कृति के कारण बहुत मजबूत हैं। उन राज्यों में कांग्रेस और भाजपा मजबूत स्थिति में नहीं है। कांग्रेस को जिन 12 राज्यों में सफलता नहीं मिली है। उसमें मध्य प्रदेश, हिमाचल, आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड जैसे राज्य भी शामिल हैं। कांग्रेस इन राज्यों में बहुत मजबूत स्थिति में हुआ करती थी। आंध्र प्रदेश को छोड़ दें, तो कांग्रेस और भाजपा का सीधा मुकाबला उक्त राज्यों में होता था। इन राज्यों से कांग्रेस का एक भी सांसद जीत कर नहीं आ पाया। कांग्रेस का इस बार मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड, त्रिपुरा सहित एक दर्जन राज्यों से कांग्रेस का कोई भी सांसद लोकसभा नहीं पहुंचा है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है। इसमें राष्ट्रीय दलों की भूमिका सर्वोपरि होती है। संघीय व्यवस्था के अनुसार क्षेत्रीय दलों का भी अपना महत्व है। लोकसभा में यदि राष्ट्रीय दल सभी राज्यों से अपना सांसद लेकर लोकसभा नहीं पहुंचते हैं। ऐसी स्थिति में राष्ट्रीय विचारधारा एवं राष्ट्र निर्माण को लेकर बहुत सारी विसंगतियां पैदा होती हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो और भारत न्याय यात्रा के माध्यम से उन्होंने कांग्रेस पार्टी को राष्ट्रीय परिदृश्य में लाने का प्रयास किया है। संगठन का अभाव होने के बाद भी उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर लोगों के बीच राष्ट्रीय स्तर छवि बनाई है। पिछले 30 वर्षों से कांग्रेस पार्टी जिस तरह जनता से दूर होती जा रही थी। उस कमी को दूर करने में कुछ समय लग सकता है। राष्ट्रीय स्तर के राजनीतिक दलों से अपेक्षा की जाती है। सभी राज्यों को जोड़ने के लिए राष्ट्रीय हित में राष्ट्रीय दलों की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। क्षेत्रीय दल अपने प्रादेशिक हितों को ध्यान में रखते हुए राजनीति करते हैं। ऐसी स्थिति में केंद्र एवं राज्य के बीच में समन्वय बनाए रखने मे राष्ट्रीय राजनीतिक दलों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।

1989 से लेकर 2014 तक भारत में गठबंधन की सरकारें थी। इसमें क्षेत्रीय दलों का भी प्रतिनिधित्व केंद्र में था। केंद्र एवं राज्यों के बीच बेहतर संबंध थे। 2014 से 2024 के बीच में केंद्र में भाजपा की स्पष्ट बहुमत की सरकार रही है। भाजपा क्षेत्रीय दलों को खत्म करके उनका स्थान लेना चाहती थी। यही गलती किसी जमाने में कांग्रेस ने भी की थी। जिसके कारण क्षेत्रीय दल काफी मजबूत हुए। संघीय व्यवस्था,संवैधानिक संस्थाओं के अधिकार, केंद्र एवं राज्यों के अधिकार को लेकर पिछले 10 वर्षों में केन्द्र एवं राज्यों के बीच टकराव बढा है। 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद केंद्र में एक बार फिर गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। निश्चित रूप से राष्ट्रीय राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस की जिम्मेदारी है।

वह क्षेत्रीय दलों को अपने साथ लेकर चलें। क्षेत्रीय दलों को राष्ट्रीय जिम्मेदारी का बोध करायें। संविधान मे केंद्र एवं राज्यों की जो संघीय व्यवस्था है। उसे मजबूत बनाने की दिशा में काम करें। इससे भारत मजबूत होगा। शासन और प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ेगा। राजनीतिक दलों और राजनेताओं की जिम्मेदारी भी तय होगी।

दूध... क्या खूब

दूध न सिर्फ बच्चों, बल्कि बड़ों के लिए भी जरूरी है। हालांकि दूध से जुड़े कई मिथ हैं, जिन्हें खत्म किया जाना चाहिए। साथ ही, यह भी जानना चाहिए कि किस उम्र में कितना दूध पीना चाहिए।

मिथ मंथन

अस्थमा के मरीज करें दूध और दूध से बनी चीजों से परहेज

इसे सही नहीं कहा जा सकता। इस बारे में कोई साइंटिफिक सबूत नहीं हैं कि दूध पीने से बलगम ज्यादा बनने लगता है या अस्थमा के मरीजों को दिक्कत होती है।

गाय/भैंस के दूध जितना अच्छा नहीं है सोयामिल्क

डॉ. रोमेल टिक्कू, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, मैक्स के मुताबिक सोयामिल्क में भी गाय या भैंस के दूध की तरह तमाम फायदेमंद पोषक तत्व होते हैं, जैसे कि कैल्शियम, विटामिन डी और प्रोटीन। सोयामिल्क का फायदा यह है कि इसमें कॉलेस्ट्रॉल या सैचुरेटिड फैट नहीं होता, जबकि गाय/भैंस के दूध में ये पाए जाते हैं।

दूध ही कैल्शियम का इकलौता सोर्स

दूध ही कैल्शियम का इकलौता और बेस्ट सोर्स नहीं है। असलियत यह है कि गाय के दूध में मौजूद कैल्शियम को हमारा शरीर बमुश्किल ही सोख पाता है। हरी सब्जियां जैसे कि पालक, ब्रोकली, साग, सोयाबीन आदि में काफी अच्छी मात्रा में कैल्शियम होता है।

दूध/दूध से बनी चीजें खाने से मुंहासे हो सकते हैं

डाइट का मुंहासों में ज्यादा अहम रोल नहीं होता। दूसरे फैक्टर जैसे कि स्किन टाइप, जिनेटिक्स, हॉर्मोंस और पलूशन आदि मुंहासों की मुख्य वजह बनते हैं। ऐसे में दूध को लेकर सवाल उठाना सही नहीं है। स्किम्ड या टोंड दूध फुल क्रीम दूध जैसा बढ़िया नहीं होता

स्किम्ड मिल्क में एक फीसदी से भी कम फैट होता है। पांच साल से बड़े बच्चे इसे आराम से पी सकते हैं। इसमें विटामिन ए और डी ऊपर से डाले जाते हैं ताकि फैट निकालने के दौरान घटने वाले विटामिन्स की पू र्ति हो सके।

फ्लेवर्ड मिल्क सामान्य दूध जितना अच्छा नहीं

फ्लेवर्ड मिल्क में भी आम दूध की तरह की तमाम न्यूट्रिएंट होते हैं। बच्चे इसे आराम से पी सकते हैं। हालांकि चीनी की मात्रा ज्यादा होने की वजह से फिजिकली ज्यादा ऐक्टिव न रहने वाले लोग इसे कम पीएं तो अच्छा है।

जितना चाहें, दूध पी सकते हैं

मानसी चौधरी, सीनियर डाइटीशियन, फोर्टिस हॉस्पिटल का कहना है कि जरूरत से ज्यादा दूध पीने से शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। कैल्शियम आयरन सोखने के प्रॉसेस में रुकावट डालता है। बच्चे अगर दूध ज्यादा पीते हैं तो उनका वजन कम रह जाता है क्योंकि दूध से पेट भरने के बाद वे पूरा खाना नहीं खाते। प्रोटीन रिच होने के कारण भूख भी कम लगती है।

दूर करें कन्फ्यूजन

- गाय और भैंस के दूध के मुकाबले पैकेट वाला दूध बेहतर है क्योंकि गाय/भैंस के दूध में मिलावट की गुंजाइश होती है। हां, अगर अपने सामने दूध निकलवा कर लेते हैं तो गाय/भैंस का दूध लेने में कोई खराबी नहीं है।
- भैंस के दूध में गाय के दूध के मुकाबले ज्यादा फैट होता है। गाय के 100 मिली दूध में करीब 65-70 कैलरी होती हैं और मां के दूध में भी करीब इतनी ही कैलरी होती हैं। लेकिन भैंस के 100 मिली दूध में 117 कैलरी होती हैं। गाय के दूध में फैट भी कम होता है लेकिन कॉलेस्ट्रॉल भैंस के दूध से ज्यादा होता है। जिन्हें मोटापे की समस्या है, उन्हें भैंस के दूध से परहेज करना चाहिए और कॉलेस्ट्रॉल के मरीजों को गाय के दूध से।
- कॉलेस्ट्रॉल और फैट से बचने के लिए टोंड या डबल टोंड दूध पीना बेहतर है। फुल क्रीम दूध में 7-8 फीसदी, टोंड में 3 फीसदी और डबल टोंड दूध में 1.5 फीसदी तक फैट होता है। बच्चों को फुल क्रीम मिल्क ही देना चाहिए।
- 6 महीने तक के बच्चों को मां का दूध ही देना चाहिए। 6 महीने से 1 साल तक मदर मिल्क के साथ फॉर्म्युला मिल्क दें। 1 साल के बाद पैकेट वाला फुल क्रीम दूध दे सकते हैं। कई लोग इनके लिए गाय के दूध को इनके लिए बेहतर मानते हैं, जोकि सही नहीं है।
- टेट्रा पैक दूध की क्वॉलिटी बाकी दूध से बेहतर नहीं होती। बस, पैकिंग का फर्क है। यह सच है कि इस पैकिंग में दूध लंबे वक्त तक खराब नहीं होता, लेकिन यह गलत है कि ट्रेटा पैक दूध दूसरे दूध से बेहतर है।

किस उम्र में कितना दूध

एक्सपर्ट्स के मुताबिक दूध एक कंप्लीट फूड है। एम्स में सेंटर फॉर कम्यूनिटी मेडिसिन के अडिशनल प्रफेसर डॉ. संजय के. राय के मुताबिक सिर्फ दूध और अंडा ही ऐसे फूड आइटम हैं, जो कंप्लीट हैं। दूध में सारे जरूरी प्रोटीन और अमीनो एसिड्स पाए जाते हैं। दूध में बस आयरन और विटामिन सी कम पाया जाता है। बाकी इसमें सारे विटामिन्स भरपूर मिलते हैं, इसलिए दूध जरूर पीना चाहिए।

0 से 1 साल - इतने छोटे बच्चों को गाय/भैंस या पैकेट का दूध नहीं देना चाहिए। इनके लिए मां का दूध सबसे अच्छा है। किसी वजह से मां फीड नहीं कर सकती तो फॉर्म्युला मिल्क दे सकते हैं।

0-6 महीना - 600 मिली तक रोजाना

6-12 महीना - एक से सवा लीटर रोजाना

1 से 2 साल - इन बच्चों को ब्रेन के बेहतर विकास के लिए ज्यादा फैट वाली डाइट की जरूरत होती है, इसलिए फुल क्रीम मिल्क देना चाहिए। इनके लिए दिन में 3-4 कप दूध (करीब 800-900 मिली) जरूरी है।

2 से 8 साल - 2 से 3 साल के बच्चों को रोजाना दो कप दूध या दूध से बनी चीजें देनी चाहिए। 4-8 साल के बच्चों को ढाई कप दूध/दूध से बनी चीजें जैसे कि पनीर, दही आदि रोजाना देना जरूरी है।

9 साल से ज्यादा - 9 साल से बड़े बच्चों को रोजाना करीब तीन कप दूध/दूध से बनी चीजें देनी चाहिए। ऐक्टिव टीन एजर्स को रोजाना करीब 3000 कैलरी की जरूरत होती है। इन्हें 4 कप तक दूध/दूध से बनी चीजें दे सकते हैं। हड्डियों की मजबूती के लिए दूध जरूरी है इसलिए बच्चों ही नहीं, बड़ों को भी दूध जरूर पीना चाहिए। अडल्ट्स को फुल क्रीम के बजाय टोंड या स्किम्ड मिल्क पीना चाहिए क्योंकि इससे फालतू कैलरी खाने से बच जाते हैं। एक गिलास फुल क्रीम दूध में 146 कैलरी और 8 ग्राम फैट (जिसमें से 5 ग्राम सैचुरेटिड) होता है, जबकि इतने ही टोंड (1 फीसदी मिल्क) में 102 कैलरी और 2 ग्राम सैचुरेटिड फैट होता है, जबकि स्किम्ड मिल्क में 83 कैलरी और जीरो फैट होता है।

नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ के मुताबिक आमतौर पर अडल्ट रोजाना 1000 से 1200 एमजी कैल्शियम लेते हैं। एक गिलास दूध में 285 एमजी कैल्शियम होता है। शरीर इस कैल्शियम का इस्तेमाल हड्डियों और दांतों को मजबूत करने के लिए करता है। रेग्युलर रूप से भरपूर मात्रा में दूध पीने से उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों को होने वाले नुकसान से काफी हद तक बचा जा सकता है। दूध में मौजूद फॉस्फोरस कैल्शियम को सोखने और हड्डियों को बचाए रखने में मदद करता है।

कैसे पहचानें दूध की क्वॉलिटी

दूध के कलर, स्वाद और गाढ़ेपन से उसकी क्वॉलिटी पहचान सकते हैं। अगर इनमें से कहीं भी गड़बड़ लगे तो दूध में मिलावट हो सकती है। इसके अलावा, दूध में उंगली डालकर भी देख सकते हैं। अगर दूध में बहुत ज्यादा पानी होगा तो पानी ऊपर की तरफ आ जाएगा।

ईवनिंग वॉक से रह सकते हैं फिट

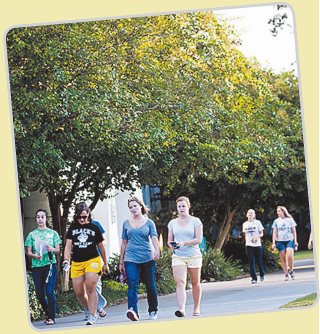

आम तौर पर महिलाओं की शिकायत होती है कि सुबह घर-ऑफिस की भाग-दौड़ के बीच उन्हें बिल्कुल समय नहीं मिलता। सुबह वॉक पर नहीं जा पाती हैं, इसलिए एक्सर्साइज़ भी नहीं करती हैं। यदि सुबह के समय आपको बिल्कुल भी वक्त नहीं मिलता, तो आप शाम को ईवनिंग वॉक के लिए जा सकती है।

शाम को टहलना सेहत और फिट रहने के लिहाज से काफी अच्छा है। कई सारे रिसर्च और स्टडी में भी यह बात साबित हो चुकी है कि ईवनिंग वॉक हेल्थी रहने के लिए अच्छा है। हर रोज शाम को 30 से 40 मिनट तक टहलना पर्याप्त है। यदि आपके पास समय हो तो धीरे-धीरे इस अवधि को अपनी सुविधानुसार बढ़ा भी सकती हैं।

- ईवनिंग वॉक दिन भर के तनाव और थकान को दूर करने में उपयोगी है।
- यदि आपको भूख नहीं लगने की परेशानी है, तो शाम के समय आधे घंटे जरूर टहलें। इससे भूख नहीं लगने, पेट भरा-भरा रहने की परेशानी में आराम मिलेगा।
- वजन की परेशानी है और आपके पास एक्सर्साइज करने या जिम जाने का समय नहीं है। तो फिर शाम के 40 मिनट अपने लिए निकालें और इस दौरान वॉक पर जाएं। 3 महीने यदि ऐसा लगातार कर सकेंगी, तो आपको खुद इसका असर दिखने लगेगा।
- मानसिक तौर पर भी शाम के समय वॉक करने के बाद आपको सुकून और शांति महसूस होगी।
- कुछ समय के बाद खुद ही आपको टहलने के दौरान अपनी स्पीड बढ़ती नजर आएगी और यदि आपको स्टेमिना की शिकायत है तो उसमें भी सुधार नजर आने लगेगा।

जाने वजन को कैसे नियंत्रित करती है आपकी नींद

अच्छी नींद हमारी सेहत के लिए कितनी जरूरी है यह तो शायद सभी जानते ही होंगे पर हाल ही में हुए नए शोध से पता चला है कि अच्छी नींद वजन नियंत्रण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि आप कम सोते हैं यानी पर्याप्त नींद नहीं लेते तो यह वजन को नियंत्रित करने वाले 2 हारमोनों लेप्टिन व घरेलिन को प्रभावित करती है।

लेप्टिन नामक हारमोन का सीधा संबंध तृप्ति अथवा संतुष्टि से होता है जो वजन कम करने में अहम भूमिका निभाती है और कम सोने से लेप्टिन का स्तर भी कम हो जाता है। यही नहीं, पर्याप्त नींद न लेने से भूख से संबंध रखने वाले हारमोन घरेलिन के स्तर में वृद्धि हो जाती है।

अध्ययन में कैलिफोर्निया के स्वास्थ्य विभाग के शोधकर्ताओं ने ग्रामीण पृष्ठभूमि के लोगों की नींद की अवधि और बॉडी मास इंडैक्स के बीच के संबंधों का मूल्यांकन किया है। बी.एम.आई. हमारे शरीर के वजन व ऊंचाई के बीच संबंध को दर्शाता है। बी.एम.आई. के मुताबिक 18.5 से 25 को साधारण, 25 से 30 को अधिक वजन, 30 से अधिक को ज्यादा मोटा माना जाता है।

ग्रामीण लोगों पर यह शोध इसलिए किया गया क्योंकि उनमें खतरनाक व्यवहार के प्रति रुझान अत्यधिक होता है। लोगों से उनकी नींद की अवधि, शारीरिक गतिविधियां, जो कि उनके पेशे से जुड़ी थीं उनमें अवसाद के लक्षण, अल्कोहल युक्त पदार्थों की खपत तथा खर्राटों संबंधी पूरी जानकारी ली गई। इसके साथ ही उनके कद तथा वजन को भी मापा गया।

शोधकर्ताओं ने पाया कि उच्च बॉडी मास इंडैक्स तथा लघु अवधि की नींद के बीच सीधा संबंध है। शोध में पता चला कि जो 6 घंटे से भी कम नींद लेते हैं उनका बॉडी मास इंडैक्स औसत यानी 30.24 की सीमा तक था तथा 28.25 तक उन लोगों में पाया गया जो एक ही समय में 9 घंटे की नींद लेते हैं।

अगर आप भी उच्च रक्तचाप की दवा ले रहे हैं तो यह खबर है आपके लिए

रक्तचाप को कम करने वाली कुछ दवाओं का भयानक दुष्प्रभाव हो सकता है। शोधकर्त्ताओं ने रक्तचाप की दवाएं लेने और एज-रिलेटेड मैक्युलर डिजेने रेशन (एएमडी) की शुरुआती अवस्था के विकास के बीच संबंध पाया है जिससे नजर कमजोर हो सकती है और अंधापन भी हो सकता है। एएमडी, आंखों की मैक्युला की गिरावट है, जो साफ दिखने के लिए उत्तरदायी होता है।

यूनिवर्सिटी ऑफ विसकनसिन के स्कूल ऑफ मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ के रोनाल्ड कीन सतर्क करते हुए कहते हैं, ''यह इन परिणाम महत्वपूर्ण हो सकते हैं, यह महत्वपूर्ण है कि उन्हें पहले दोहराया जाए और किसी के चिकित्सकीय आहार नियम बदलने से पहले उसका संभव चिकित्सकीय ट्रायल हो।'' इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए शोधकर्त्ताओं ने 1988 से 2013 तक 43-86 साल की उम्र के लगभग 5,000 लोगों का दीर्घकालिक जनसंख्या आधारित शोध किया।

आयु, लिंग और अन्य कारकों का समायोजन करने के बाद शोधकर्त्ताओं ने पाया कि एप्रेसोलिन और लोनिटेन जैसी रक्तवाहिकाओं को चौड़ा करने वाली रक्तचाप संबंधी दवाओं (वासोडिलेटर), प्रारंभिक-अवस्था का एएमडी बनाने में 72 फीसदी सहयोगी हैं। जो लोग वासोडिलेटर नहीं लेते उनमें शुरुआती चरण का एएमडी बनने की संभावना 8.2 फीसदी थी। जो लोग वासोडिलेटर दवाएं ले रहे थे उनमें बीमारी 19.1 फीसदी हुई।

अध्ययन रक्तचाप कम करने वाली दवाओं से भी एएमडी का जोखिम होने का अनुमान लगाया गया है। शोधकर्त्ताओं ने चेताया कि है उनके शोध में दवाओं के प्रभाव और उन्हें लेने वाले लोगों की स्थितियों पर विचार नहीं हो पाया है।

इस मौसम में लू से न हों लस्त

इन दिनों देश के अनेक भागों में गर्मियों का मौसम उफान पर है। मौजूदा मौसम में शरीर के प्रति लापरवाही बरतने पर लू लगने की समस्या उत्पन्न हो जाती है, लेकिन कुछ सजगताएं बरतकर आप लू को शिकस्त दे सकते हैं..

जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, वैसे-वैसे गर्मी से होने वाली बीमारियों का भी खतरा बढ़ रहा है। अत्यधिक गर्म तेज हवाओं को लू कहा जाता है। लू लगने से होने वाली बीमारियों को उनकी तीव्रता के आधार पर तीन भागों में विभाजित किया जाता है..

1. मांसपेशियों में मरोड़ (क्रैम्प्स)- गर्मी की वजह से शरीर में पानी और नमक की कमी होना और मांसपेशियों में ऐंठन आना।

2. गर्मी का अत्यधिक प्रभाव- जब गर्मी का प्रभाव शरीर पर ज्यादा हो जाता है, तो इस स्थिति को लू लगना कहते हैं।

3. हीट स्ट्रोक - लू लगने की अत्यधिक गंभीर स्थिति को हीट स्ट्रोक कहते हैं। यह सबसे गंभीर समस्या है, जिसमें शरीर का तापमान 104 डिग्री फॉरेनहाइट के ऊपर तक पहुंच जाता है। इस कारण शरीर के महत्वपूर्ण अंगों जैसे मस्तिष्क को नुकसान पहुंचता है। इस रोग का अगर समय से उपचार न किया जाए, तो यह जानलेवा हो सकता है। जिस किसी व्यक्ति का तापमान 104 डिग्री फॉरेनहाइट से ज्यादा हो गया हो, तब उसे शीघ्र ही अस्पताल ले जाना चाहिए।

कारण

सबसे महत्वपूर्ण कारण है गर्म स्थानों पर होना। लू लगने का खतरा तब और भी बढ़ जाता है, जब कोई व्यक्ति गर्म वातावरण में सख्त शारीरिक काम कर रहा हो। इस स्थिति में आपके शरीर की गर्मी बाहर नहीं निकल पाती। इस कारण शरीर का आंतरिक तापमान बढ़ने लगता है। अन्य कारणों में पर्याप्त मात्रा में पानी न पीना, दिन में शराब का सेवन और ज्यादा गर्म व तंग वस्त्र पहनना है।

लक्षण

▶ अत्यधिक पसीना आना। ▶ चक्कर आना। ▶ थकान होना। ▶ मांसपेशियों में मरोड़ होना। ▶ सिरदर्द होना, उल्टी आना। ▶ ब्लडप्रेशर कम (लो) हो जाना। ▶ समुचित इलाज न होने पर बेहोश होना। ▶ बुखार आना, पेशाब कम होना।

अगर उपर्युक्त लक्षण एक घंटे के घरेलू उपचार के बाद भी ठीक न हों, तो शीघ्र ही पीड़ित व्यक्ति को अस्पताल ले जाएं।

जोखिम भरी स्थितियां

1. चार साल से कम उम्र के बच्चों में और 65 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गो में लू लगने का खतरा अधिक होता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इन दोनों का शरीर तापमान के बदलाव को नियंत्रित नहीं कर पाता।

2. कुछ शारीरिक बीमारियों के कारण भी लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। जैसे- गुर्दे की और दिल की बीमारी आदि।

3. वातावरण के तापमान का शीघ्रता से बढ़ना। इस कारण शरीर को बढ़ते तापमान से सामंजस्य स्थापित करने का समय नहीं मिलता।

जटिलताएं

अगर लू लगने का समय पर समुचित उपचार न किया जाए, तो जानलेवा हीट स्ट्रोक हो सकता है।

उपचार

-शीघ्र ही पीड़ित व्यक्ति को ठंडे व छायादार स्थान पर ले जाएं।

-अगर पीड़ित व्यक्ति बेहोश न हो, तो पीने का पानी व नीबू पानी, लस्सी, जूस या ओआरएस का घोल दें।

-चाय, कॉफी या शराब जैसे पेय पदार्थ न दें। इनसे शरीर में पानी की कमी बढ़ सकती है।

-शरीर पर ठंडा पानी डालें।

-कपड़े ढीले कर दें।

-हवा के लिए पंखा या कूलर लगाएं।

बचाव

-बाहर जाते समय 30 एसपीएफ वाला सनस्क्रीन लगाएं।

-पर्याप्त मात्रा में पेय पदार्थ लें।

-जो व्यक्ति किडनी, दिल व दिमाग की बीमारियों का उपचार करा रहे हों, उन्हें अपने डॉक्टर से इस बारे में परामर्श लेना चाहिए कि क्या-क्या सजगताएं उन्हें बरतनी हैं।

आयुर्वेद के उपयोगी नुस्खे

हर मौसम का सकारात्मक व नकारात्मक प्रभाव होता है। किसी भी मौसम का आनन्द उठाने के लिए दोनों ही की जानकारी जरूरी है। इन दिनों गर्मियों का प्रभाव अधिक होने के कारण व्यक्ति लू की चपेट में जल्दी आ सकता है।

विमानन कर्मचारियों की कमी जितनी दिख रही, उससे भी ज्यादा गंभीर: कापा इंडिया

- भारतीय विमानन कंपनियां साल 2024-25 में अपने बेड़े में 82 और विमान शामिल करेंगी

नई दिल्ली । पायलटों, चालक दल के सदस्यों और विमानन क्षेत्र के अन्य प्रमुख कर्मचारियों की कमी अनुमान या अभी दिखने वाली कमी की तुलना में कहीं ज्यादा गंभीर है। विमानन सलाहकार फर्म कापा इंडिया ने यह जानकारी दी। इसके अलावा भारतीय विमानन कंपनियां साल 2024-25 के दौरान अपने बेड़े में 82 और विमान शामिल करेंगी, जिससे देश में वाणिज्यिक विमानों की कुल संख्या बढ़कर 812 हो जाएगी। विस्तारा ने मार्च से अप्रैल के दौरान पायलटों के एक समूह द्वारा ली गई बीमारी की छुट्टी के कारण अपनी 10 फीसदी उड़ानें रद्द कर दी थीं। विमानन कंपनी का एयर इंडिया में विलय किया गया था। इसके तहत उन्हें दिए जाने वाले वेतन के नए पैकेज और काम के सख्त शेड्यूल के कथित असंतोष के बीच उन्होंने ऐसा किया था। पिछले साल सितंबर में अकासा एयर को करीब 24 दैनिक उड़ानें रद्द करने के लिए विवश होना पड़ा था क्योंकि लगभग 43 पायलटों ने प्रतिस्पर्धी विमानन कंपनी में जाने के लिए नोटिस की जरूरी अवधि पूरी किए बिना अचानक इस्तीफा दे दिया था। कापा इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कंपनी के वार्षिक शिखर सम्मेलन में कहा कि पायलटों, एएमई (विमान रखरखाव इंजीनियरों), चालक दल, फ्लाइट डिस्पैचर आदि की कमी मौजूदा अनुमान या अभी जो दिख रही है, उसकी तुलना में कहीं ज्यादा गंभीर है। संभवतः इस वर्ष नए एफडीटीएल दिशानिर्देशों की शुरूआत और पश्चिम एशियाई विमानन कंपनियों द्वारा प्रतिस्पर्धी कंपनियों के कर्मियों की भर्ती से कार्मिक किल्लत और बढ़ने के आसार हैं। कौल ने कहा कि इसके अलावा कर्मचारियों को बेहतर कार्य प्रणाली तथा अधिक उत्पादकता मानदंडों के अनुरूप बनाने से वेतन भत्तों में अंतर आएगा।

रिन्यू एनर्जी ग्लोबल पीएलसी का मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली । रिन्यू एनर्जी ग्लोबल पीएलसी का वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा सात गुना होकर 70 लाख अमेरिकी डॉलर रहा। कंपनी बयान के अनुसार जनवरी-मार्च तिमाही में कुल राजस्व 4.4 प्रतिशत घटकर 29.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर रह गया, जो वित्त वर्ष 2022-23 की इसी अवधि में यह 31.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। रिन्यू एनर्जी ने राजस्व में गिरावट का कारण अपनी ट्रांसमिशन परियोजनाओं से कम आय को बताया। समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का मुनाफा पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा, वित्त वर्ष 2022-23 में उसने छह करोड़ अमेरिकी डॉलर का घाटा दर्ज किया था। रिन्यू के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ये सकारात्मक आय अगले पांच वर्षों में हमारी क्षमता को दोगुना करके 20 गीगावाट से अधिक करने की हमारी महत्वाकांक्षी विकास योजनाओं को और बढ़ावा देगी।

इक्विटी आवंटन पश्चात मिर्जापुर थर्मल बनी अडाणी पावर की इकाई

नई दिल्ली । अडाणी समूह की कंपनी अडाणी पावर ने कहा कि उसे अपनी 99.8 प्रतिशत इक्विटी आवंटित करने के बाद मिर्जापुर थर्मल एनर्जी यूपी प्राइवेट लिमिटेड उसकी इकाई बन गई है। कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में कहा कि कंपनी को मिर्जापुर थर्मल एनर्जी यू.पी. प्राइवेट लिमिटेड (एमटीईयूपीएल) द्वारा 10 रुपये प्रत्येक के 50,00,000 इक्विटी शेयर आवंटित किए गए हैं, जिससे एमटीईयूपीएल में 99.8 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी हो गई है। परिणामस्वरूप एमटीईयूपीएल कंपनी की अनुषंगी बन गई है। एमटीईयूपीएल ने अभी तक वाणिज्यिक गतिविधियां शुरू नहीं की हैं तथा वह बुनियादी ढांचे के विकास संबंधी गतिविधियों में शामिल रहेगी। यह इकाई अडाणी पावर की एक संबद्ध पक्ष है। कंपनी को एमटीईयूपीएल के इक्विटी शेयर आवंटित किए जाने से पहले एमटीईयूपीएल अडाणी इन्फ्रा (इंडिया) लिमिटेड (एआईआईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी थी।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । सरकारी तेल कंपनियां दर दिन सुबह 6 बजे पेट्रोल-डीजल की कीमतों को अपडेट करती हैं। देश में ईंधन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रूड ऑयल की कीमतों पर निर्भर करती हैं। क्रूड ऑयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से भारत में ईंधन की कीमतों में बदलाव होता है। बुधवार को देश की राजधानी दिल्ली समेत अन्य महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल के दाम 94.72 रुपये, तो वहीं डीजल के दम 87.62 रुपये प्रति लीटर हैं। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल की कीमत 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.98 रुपये, तो वहीं डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.66 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.05 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.91 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.42 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.27 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.52 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर, आगरा में पेट्रोल 94.70 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस शुरू करेगी ढाका, काठमांडु के लिए उड़ानें

नई दिल्ली । एयर इंडिया एक्सप्रेस जल्द ही ढाका और काठमांडू के लिए उड़ानें शुरू करेगी। फिलहाल एयरलाइन सिंगापुर समेत 14 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए उड़ान सेवाएं देती है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वह ढाका और काठमांडू के लिए उड़ानें शुरू करेगी। सीएपीए इंडिया एविएशन सम्मेलन, 2024 के दौरान उन्होंने कहा कि कंपनी उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद स्थित हिंडन हवाई अड्डे से सेवाएं शुरू करेगी। बयान के अनुसार एयरलाइन हिंडन को बेंगलुरु, गोवा और कोलकाता से जोड़ने वाली 28 साप्ताहिक सीधी उड़ानें संचालित करेगी। ये सेवाएं एक अगस्त से शुरू होंगी।

एनविडिया बनी दुनिया की दूसरी बड़ी वैल्यूएबल कंपनी

- एप्पल को पीछे छोड़कर हासिल किया यह मुकाम

मुंबई । दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों की फेहरिस्त इस साल तेजी से बदल रही हैं। जहां एप्पल को पीछे छोड़कर लंबे समय बाद माइक्रोसॉफ्ट पहले पायदान पर काबिज हो चुकी है, वहीं एनविडिया ने कई स्थानों की लंबी छलांग लगाई है। अब एनविडिया का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो चुका है और यह कामयाबी हासिल करने वाली वह दुनिया की सिर्फ तीसरी कंपनी है। उससे पहले यह उपलब्धि सिर्फ माइक्रोसॉफ्ट व एप्पल को मिली है। अभी एनविडिया का बाजार पूंजीकरण 3.011 ट्रिलियन डॉलर हो चुका है और वह दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है। पिछले 3 महीने में एनविडिया का एमकैप लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर बढ़ गया है। माइक्रोसॉफ्ट लंबे समय तक एप्पल से पीछे दूसरे नंबर पर रहने के बाद इसी साल फिर से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी बनी है। अभी उसका मार्केट कैप 3.151 ट्रिलियन डॉलर है। हालांकि अब उसकी पोजिशन को एनविडिया से खतरा है। सालों तक दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रहने वाली एप्पल अब तीसरे स्थान पर खिसक गई है। आईफोन बनाने वाली कंपनी का मार्केट कैप अभी 3.003 ट्रिलियन डॉलर है। चौथे स्थान पर गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट है, जिसका मौजूदा बाजार पूंजीकरण 2.177 ट्रिलियन डॉलर है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की डिमांड बढ़ने से गूगल को भी फायदा हो रहा है। जेफ बेजोस की कंपनी अमेजन अभी मार्केट कैप के हिसाब से दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी लिस्टेड कंपनी है। उसका एमकैप अभी 1.886 ट्रिलियन डॉलर है। एमकैप के हिसाब से दुनिया की पांचों सबसे बड़ी कंपनियां अमेरिकी हैं। एक समय दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी का दर्जा हासिल करने में कामयाब हुई सऊदी अरब की सऊदी अरामको अब छठे पायदान पर खिसक गई है। उसका एमकैप अभी 1.820 ट्रिलियन डॉलर है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 75,074 , निफ्टी 22,821 पर पहुंचा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) हावी रहने से आया है। चुनाव परिणामों के बाद बाजार को जो झटका लगा था वह भी सरकार बनने की उम्मीदों से समाप्त हो गया है। इसी कारण लगातार दूसरे दिन बाजार ऊपर आया। इक्विटी बेंचमार्क लगातार दूसरे दिन सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 0.93 फीसदी करीब 692.27 अंक बढ़कर 75,074.51 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.89 फीसदी तकरीबन 201.05 अंक ऊपर आकर 22,821.40 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 4.07 फीसदी ऊपर आया। इसके अलावा एचसीएल टेक, एसबीआई, इनफ़ोसिस, एनटीपीसी, टीसीएस, एलएंडटी, विप्रो, भारती एयरटेल, टाटा स्टील सहित 23 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक सहित 7 कंपनियों के शेयर नीचे आये।

जानकारों के अनुसार लोक सभा चुनाव के परिणामों से लगे झटके के बाद सरकार बनने की संभावना से निवेशकों की आशंकाएं कम हुई हैं। इससे बाजार में खरीददारी भी हुई है। एनडीए सरकार के बनने की संभावना से निवेशकों में उत्साह आने लगा है।

इससे पहले आज सुबह बीएसई सेंसेक्स 303 अंक बढ़कर 74,685.68 के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर एनएसई का निफ्टी 50 76 अंक बढ़कर 22,696.40 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में अमेरिकी बाजार सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 में 1.18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह एक नए इंट्राडे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह, नैस्डैक कंपोजिट 1.96 प्रतिशत बढ़कर एक नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया, जबकि डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल 0.25 फीसदी ऊपर आया।

आईटी रिटर्न देर से फाइल करने वाली कंपनियों को राहत नहीं

- दिल्ली हाई कोर्ट ने रिट याचिका की खारिज

नई दिल्ली ।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक आईटी कंपनी द्वारा दायर रिट याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें वित्त वर्ष 20 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने में देरी को माफ करने की मांग की गई थी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इस देरी को माफ करने के लिए आईटी अधिनियम की धारा 119 के तहत उसे दी गई शक्तियों को लागू करने से इनकार कर दिया था।

इस आदेश की आयकर अधिकारियों सहित कर समूहों में व्यापक रूप से चर्चा हो रही है। समय पर रिटर्न दाखिल न करने का एक बड़ा नतीजा यह है कि घाटे को आगे ले जाने से, जो आमतौर पर बाद की आठ साल की अवधि में उपलब्ध होता है, इनकार कर दिया जाता है, साथ ही कई कर लाभ भी मिलते हैं। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि यह आदेश करदाताओं द्वारा वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन करने में ढीला रवैया अपनाने के मामलों को कम करेगा।

आयकर विभाग के एक वरिष्ठ स्थायी वकील और मामले का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने कहा कि करदाताओं की दलीलें जैसे कि कोविड हुई देरी एक बार की चूक थी या यहां तक कि वित्तीय संकट के कारण थी, तथ्यात्मक रूप से गलत साबित हुईं और उच्च न्यायालय द्वारा इसे गैर-टिकाऊ पाया गया। महामारी के कारण प्रभावित हुए कई करदाताओं को अपना आई-टी रिटर्न दाखिल करना और अपना बकाया भुगतान करना मुश्किल हो गया था। वित्त वर्ष 20 के लिए सीबीडीटी ने आईटी रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा 15 फरवरी, 2021 बड़े करदाताओं के लिए जो कर ऑडिट करने के लिए बाध्य हैं और अन्य के लिए 10 जनवरी, 2021 तक बढ़ा दी थी।

फिर भी कुछ करदाताओं ने विस्तारित नियत तारीख से परे आई-टी रिटर्न दाखिल करने में देरी के लिए माफी मांगना जारी रखा। हाईकोर्ट ने पाया कि लावा इंटरनेशनल द्वारा माफ़ी की प्रार्थना करते समय अधिकारियों ने विभिन्न तथ्यों को ध्यान में रखा था।

कंपनी के पास अपना आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए 15 फ़रवरी, 2021 तक का समय था, फिर भी इसके वित्तीय विवरण 31 जुलाई, 2020 को हस्ताक्षरित किए गए थे, लेकिन इसने 30 मार्च, 2021 को ही आयकर रिटर्न दाखिल किया।

यह लापरवाही को दर्शाता है। यह नोट किया गया कि कंपनी ने कई मामलों में देरी से आयकर रिटर्न दाखिल किया था, वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए देरी कोई असामान्य बात नहीं थी।

रुपया एक पैसे बढ़कर 83.43 डॉलर पर

मुंबई । कमजोर अमेरिकी मुद्रा और सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों के समर्थन से रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में एक पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.43 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने भारतीय मुद्रा की वृद्धि को रोका। शुक्रवार को घोषित होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति के फैसले से पहले निवेशक भी सतर्क हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.40 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद फिसलकर 83.43 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.44 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.06 पर रहा।

सेंट पीटसबर्ग में लोग प्रदर्शनी हॉल पहुंचे। इसमें 139 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया है।

सेबी ने शेयरों में सीधे भुगतान प्रक्रिया की अनिवार्य

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने ग्राहकों के खाते में शेयरों के सीधे भुगतान की प्रक्रिया को अनिवार्य बनाने का निर्णय लिया। परिचालन दक्षता बढ़ाने और ग्राहकों की प्रतिभूतियों के जोखिम को कम करने के लिए यह कदम उठाया गया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक परिपत्र में कहा कि यह 14 अक्टूबर से प्रभावी होगा। वर्तमान में क्लीयरिंग कारपोरेशन प्रतिभूतियों के भुगतान को ब्रोकर के खाते में जमा करता है। उसके बाद इसे संबंधित ग्राहक के डीमैट खातों में जमा किया जाता है। सेबी ने शेयर बाजारों, क्लीयरिंग कारपोरेशन और डिपॉजिटरी के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद फैसला किया है। भुगतान के लिए क्लीयरिंग कारपोरेशन निगम सीधे संबंधित ग्राहक के डीमैट खाते में जमा करेगा।

इसके अलावा क्लीयरिंग कारपोरेशन को मार्जिन ट्रेडिंग सुविधा के तहत बिना भुगतान वाली प्रतिभूतियों और वित्तपोषित शेयरों की पहचान करने के लिए कारोबारी सदस्य या क्लीयरिंग सदस्यों के लिए एक व्यवस्था प्रदान करनी चाहिए। सेबी ने सुझाव दिया है कि पोजिशन के स्तर पर अगर कोई कमी रहती है तो कारोबारी सदस्य या क्लीयरिंग सदस्यों को नीलामी की प्रक्रिया के माध्यम से इसका निपटान करना चाहिए। इसके अलावा ऐसे मामलों में ब्रोकर को क्लीयरिंग कारपोरेशन की तरफ से लगाए गए शुल्क के अलावा ग्राहक पर कोई शुल्क नहीं लगाना चाहिए।

सोने और चांदी की कीमतों में आई तेजी

- सोने के वायदा भाव 73 हजार, चांदी 91,700 हजार रुपए

नई दिल्ली ।

लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद सोने और चांदी के वायदा कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। गुरुवार को लगातार दूसरे दिन दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 73 हजार रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 91,700 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 361 रुपये की तेजी के साथ 72,879 रुपये के भाव पर खुलने के बाद 407 रुपये की तेजी के साथ 72,925 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत आज तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 395 रुपये की तेजी के साथ 90,839 रुपये पर खुला। इस यह 1,234 रुपये की तेजी के साथ 91,678 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। लेकिन बाद में इसके भाव चढ़ गए। चांदी की शुरुआत तेज ही रही। कॉमेक्स पर सोना 2,375.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,375.50 डॉलर प्रति औंस था। हालांकि बाद में यह 14.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,389.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.14 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.07 डॉलर था। इस समय यह 0.54 डॉलर की तेजी के साथ 30.61 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

मई में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में तेजी रही: अर्थशास्त्री दास

-मई में काम के कम घंटों के लिए हीटवेव को बताया जिम्मेदार

नई दिल्ली ।

एचएसबीसी की वैश्विक अर्थशास्त्री मैत्रेयी दास ने कहा मई में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में तेजी रही है, हालांकि नए ऑर्डर और उत्पादन में धीमी वृद्धि के कारण विस्तार की गति धीमी रही। पैनलिस्टों ने मई में काम के कम घंटों के लिए हीटवेव को एक कारण बताया है, जिसका उत्पादन की मात्रा उत्पादन पर असर हो सकता है। दास ने कहा कि इसके विपरीत, नए निर्यात ऑर्डर 13 वर्षों में सबसे तेज गति से बढ़े हैं। सर्वे में बताया गया है कि नए ऑर्डर में तेजी से वृद्धि हुई है, हालांकि ये पिछले तीन महीनों में सबसे कम है। मजबूत मांग, मार्केटिंग प्रयासों में वृद्धि और अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने के कारण ऑर्डर की संख्या में इजाफा हुआ है। मई में निर्यात में तेजी वृद्धि हुई है। ये 13 वर्षों में सबसे अधिक थी। भारतीय मैन्युफैक्चरर्स में भी सेंटीमेंट सकारात्मक बना हुआ है। इसकी वजह आर्थिक गतिविधियां का अच्छा होना और मांग बने रहना है। वहीं, मई की बिक्री की स्थिति भी अच्छी बनी हुई है और जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान अधिक होने के कारण नौकरी के अधिक अवसर पैदा हुए हैं। हालांकि, कच्चे माल की लागत बढ़ने और ढुलाई महंगी होने के कारण सभी उत्पादनकर्ताओं के लिए लागत बढ़ गई है। सर्वे में महंगाई को लेकर कहा गया कि लंबी अवधि के औसत के मुकाबले महंगाई की दर कम है। लागत बढ़ने के कारण कंपनियों ने मई में अपने उत्पादों के दाम में इजाफा किया है। बता दें, जब भी पीएमआई 50 के ऊपर होता है, तो दिखाता है कि गतिविधियों में तेजी आ रही है। वहीं, जब भी पीएमआई 50 से नीचे होता है। इसका उल्टा होता है। भारत की मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों की वृद्धि दर में लगातार दूसरे महीने गिरावट देखने को मिली है और मई में यह तीन महीने के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। यह जानकारी एक निजी कंपनी की रिपोर्ट में दी गई। एचएसबीसी इंडिया की मैन्युफैक्चरिंग परचेसिंग इंडेक्स गिरकर 57.5 रह गई है, जो कि अप्रैल में 58.8 अंक पर थी। सर्वे में बताया गया कि पीएमआई के आंकड़े में गिरावट की वजह गर्मी के कारण काम के घंटे का कम और लागत में इजाफा होना है।

न्यूयॉर्क की पिच को लेकर दिग्गजों ने दी अपनी प्रतिक्रिया, आईसीसी पर उठ रहे हैं सवाल

न्यूयार्क (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप में न्यूयॉर्क की पिच को लेकर काफी हल्ला मचा हुआ है। बुधवार को भारत और आयरलैंड के बीच खेले गए मुकाबले में रोहित शर्मा और ऋषभ पंत चोटिल हो गए थे। जिसके बाद से लगातार पिच पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं पूर्व भारतीय क्रिकेटरों ने आईसीसी पर अपना गुस्सा निकालते हुए कहा है कि, अगर ऐसी पिच भारत में होती तो अब तक बैन लग चुका होता।

नासाउ काउंटी स्टेडियम में भारत और आयरलैंड के बीच मुकाबले में पिच का व्यवहार ठीक नहीं था। आयरलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 96 रनों पर सिमट गई। इससे पहले श्रीलंका की टीम भी मात्र 77 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई थी। तब दक्षिण अफ्रीका की टीम ने 18.2 ओवरों में लक्ष्य को हासिल किया था। वहीं, भारत और आयरलैंड मैच में कई खिलाड़ियों को भी चोट लगी थई। आयरिश बल्लेबाज हैरी टैक्टर, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विकेटकीपर ऋषभ पंत को भी कई जगह गेंद लगी थी।

न्यूयॉर्क की पिच को लेकर भारत समेत अन्य देशों के पूर्व क्रिकेटरों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। इरफान पठान ने कहा है कि अगर भारत में किसी मैदान पर ऐसी पिच होती तो उसे अगला मैच मिलता ही नहीं। पठान ने कहा कि ठीक है हम अमेरिका में क्रिकेट को प्रमोट करना चाहते हैं। लेकिन ये पिच खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित नहीं है। हम वर्ल्ड कप खेल रहे हैं, पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा कि रोहित शर्मा की बल्लेबाजी के लिए तारीफ होनी चाहिए। न्यूयॉर्क की पिच दुनिया की सबसे कठिन पिच है। ये अमेरिका में क्रिकेट के प्रचार के लिए अच्छा नहीं हो सकता।

दूसरी तरफ जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान और इंग्लैंड के हेड कोच एंडी फ्लॉवर ने भी अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा कि एक इंटरनेशनल मैच खेलने के लिए ये अच्छी सरफेस नहीं है। उन्होंने कहा कि गेंद जिस तरह से उछल रही थई वह बहुत खतरनाक है। ये खिलाड़ियों के अंगूठे, ग्लव्स और हेलमेट पर लग रही थी। इससे किसी भी बल्लेबाज का जीवन मुश्किल में पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय तेज गेंदबाजों ने बहुत अच्छे से काम किया। उन्होंने डेक को तेजी से हिट किया और इसके चलते बल्लेबाजों को काफी मुश्किल हुई। किसी भी देश के बल्लेबाज को इस पर मुश्किल होती। आयरलैंड तो फिर भी एक छोटा देश है।

टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंच सकती हैं ये टीमें : कैफ

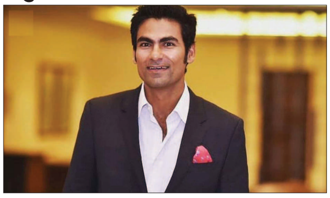

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में भारत, न्यूजीलैंड और मेजबान वेस्टइंडीज के अलावा ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान में से कोई एक टीम अंतिम चार में पहुंचेगी। टी20 विश्व कप के लिए भारत और पाक को के ग्रुप ए में रखा गया है और दोनों ही टीमों के बीच 9 जून को न्यूयॉर्क में आमने-सामने होंगे। यह टूर्नामेंट का सबसे महत्वपूर्ण मुकाबला भी है। 138 आधिकारिक मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले कैफ का कहना है कि उन्हें वेस्टइंडीज में चिर प्रतिद्वंद्वियों के बीच फाइनल दिख रहा है।

कैफ ने कहा कि किसी तरह न्यूजीलैंड ने शीर्ष 4 में जगह बना ली है, आईसीसी आयोजनों में आप उन्हें ख़ारिज नहीं कर सकते इसलिए न्यूजीलैंड को जोड़ें। मुझे लगता है कि वेस्ट इंडीज चूंकि अपने घर में खेल रही है इसलिए घरेलू मैदान पर वह एक खतरनाक टीम हो सकती है। मुझे नहीं पता कि शायद ऑस्ट्रेलिया या पाकिस्तान में से कोई एक आ सकता है। अगर पाकिस्तान के साथ फाइनल आता है तो अच्छा है। बता दें कि भारत और पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप में एक साथ कुल सात मैच खेले हैं जहां टीम इंडिया 6 बार विजयी हुई है। पाकिस्तान को एकमात्र जीत 2021 में मिली थी।

बहरहाल, कैफ का मानना ??है कि भारत के पास 2022 के मुकाबले बेहतर टीम है। कैफ ने कहा कि पिछली बार की तुलना में हमारे पास काफी बेहतर गेंदबाजी आक्रमण है, हमारे पास चहल थे लेकिन हम उन्हें पहले एकादश में नहीं खिला सके। इस साल हमारे पास कुलदीप यादव हैं, हमारे पास अक्षर पटेल, जडेजा हैं, अच्छे स्पिनर हैं। सभी अनुभवी और विकेट लेने वाले खिलाड़ी अपने दिन पर खेल बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह पिछले साल नहीं खेले थे, वह खेलेंगे, मुझे लगता है कि वह इस विश्व कप में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने जा रहे हैं।

एमएलसी में खेलेंगे कमिंस, फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ किया करार

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज पैट कमिंस अब अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में भी खेलेंगे। कमिंस ने इसके लिए एमएलसी टीम सेन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ चार साल का अनुबंध है। इसी के साथ ही वह एमएलसी से जुड़ने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। एमएलसी लीग को हाल ही में आईपीसी ने लिस्ट ए का दर्जा दे दिया था। इस टूर्नामेंट का दूसरा सत्र छह से 29 जुलाई तक खेला जाएगा। कमिंस ने कहा, 'एमएलसी काफी तेजी से आगे बढ़ रही है। इससे क्रिकेट के लिए अमेरिकी बाजार में काफी क्षमता दिख रही है। कमिंस ने अब तक विदेशी लीग के तौर पर केवल आईपीएल में ही खेला है। वह 2018-19 सत्र से ऑस्ट्रेलिया की घरेलू बिग बैश लीग से भी बाहर रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम को अगले साल जून-जुलाई में सीरीज के लिए वेस्टइंडीज का दौरा करना है और ऐसे में देखना होगा कि कमिंस तब इस टी20 लीग के लिए उपलब्ध रहते हैं या नहीं।

सेन फ्रांसिस्को की टीम में पहले से ही ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक बल्लेबाज जेक फ्रेजर मैकगर्क भी शामिल हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल, ट्रेविड हेड और स्टीव स्मिथ ने एमएलसी टीम वाशिंगटन फ्रीडम के साथ करार किया है। इसके अलावा न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र भी इस टीम में शामिल हैं। शाकिब अल हसन और डेविड मिलर (लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स), एनरिच नोर्किया और रोमारियो शेफर्ड (एमआई न्यूयॉर्क), ऐडन मार्कराम और डेरिल मिचेल (टेक्सास सुपरकिंग्स), नांद्रे बर्गर और ओबेद मैकॉय (सिएटल ओरकास) ने भी एमएलसी के साथ अनुबंध किया है

रोहित ने टी20 में चार हजार रनों के साथ ही अपने 600 पूरे किये

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में दो अहम उपलब्धियां हासिल की है। इस मैच में अपने अर्धशतक के दौरान रोहित ने सबसे तेजी से चार हजार रन भी पूरे किये। इसके अलावा तीन छक्के लगाते ही उनके छक्कों की संख्या भी 600 से पार पहुंच गयी। रोहित ने 2860 गेंदों पर यह 4 हजार रन बनाए। इसी के साथ ही उन्होने विराट कोहली को पीछे छोड़ा। विराट ने 2900 गेंदों पर अपने 4 हजार रन पूरे किये थे। तीसरे नंबर पर पाक के बाबर आजम रहे। आजम ने 3079 गेंदों पर यह उपलब्धि हासिल की थी। अब रोहित शर्मा और विराट कोहली ही दो ऐसे बल्लेबाज हैं जिनके नाम एकदिवसीय और टेस्ट वह टी20 इंटरनेशनल में 4 हजार से अधिक रन हैं। विराट के नाम टेस्ट में 8848, वनडे में 13848 और टी20 में 4038 जबकि रोहित के नाम टेस्ट में 4137, वनडे में 10709 और टी20 में 4026 रन हैं। रोहित को यह अहम उपलब्धि हासिल करने पर बीसीसीआई की ओर से भी बधाई दी गई।

रोहित टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा शतक के मामले में ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल के साथ संयुक्त तौर पर पहले नंबर पर हैं। उन्होंने अब तक 5 शतक लगाए हैं। वहीं चार शतक के साथ सूर्यकुमार यादव दूसरे नंबर पर हैं जबकि 3-3 शतक के साथ बाबर आजम और मोहम्मद वसीम तीसरे नंबर पर हैं।

रोहित ने आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले में तीन छक्के लगाए थे। इसके साथ ही उन्होंने अपने 600वें अंतर्राष्ट्रीय छक्के भी पूरे कर लिए। रोहित ने 499वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की है। वहीं वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम 551 पारियों में 553 छक्के जबकि पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी के नाम 508 पारियों में 476 छक्के का रिकार्ड है।

ऋषभ टी20 विश्वकप में तीसरे नंबर पर ही उतरेंगे : राठौड़

न्यूयॉर्क । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा है कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टी20 विश्व कप में तीसरे नंबर पर ही बल्लेबाजी करेंगे। ऋषभ को इस टूर्नामेंट में अभ्यास मैच के साथ ही आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच में भी तीसरे नंबर पर उतारा गया था जिसमें उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की थी। इसके बाद से ही ऋषभ के तीसरे नंबर पर उतरने की बातें चल रहीं थीं जो सही साबित हुईं। राठौड़ ने कहा कि टी20 विश्व कप में ऋषभ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के अच्छे प्रदर्शन पर भी खुशी जताई है। इन दोनो ने ही आईपीएल से भारतीय टीम में वापसी की है। ये दोनों ही लंबे ब्रेक के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलेंगे। ऐसे में सभी की नजरें इनपर रहेंगी।

भारतीय टीम ने आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच में 8 विकेट से जीत हासिल की थी। इस मैच में ऋषभ ने बल्लेबाजी जबकि हार्दिक ने गेंदबाजी में अहम भूमिका निभाई थी। इसी को लेकर राठौड़ ने कहा, 'ऋषभ शानदार बल्लेबाजी कर रहा है। इस समय हमारे लिए तीसरे नंबर का बल्लेबाज वही है और उसके बाएं हाथ का बल्लेबाज होने से भी हमें लाभ मिला है। ऋषभ तकरीबन ड़ेढ़ साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं।

पांड्या पहले ही मैच में तीन विकेट लेकर इरफ़ान , हरभजन की बराबरी पर आये

न्यूयॉर्क । यहां आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप 2024 के पहले ही मैच में भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या सफल रहे। पांड्या को इस मैच में तीन विकेट मिले। इससे पहले काफी समय से खराब फार्म से जूझ रहे हार्दिक को राहत मिली है। इस मैच में पांड्या अपने कोटे के चार ओवर फेंकने में भी सफल रहे। इस मैच में भारतीय तेज गेंदबाजों अर्शदीप और बुमराह ने 8 खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा। हार्दिक ने 4 ओवर में 27 रन देकर तीन खिलाड़ियों को आउट किया। हार्दिक इसी के साथ ही विश्व कप में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गये हैं। उन्होंने 17 मैचों में 22.25 के औसत और 15.00 के स्ट्राइक रेट से 16 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा 3/27 है। उनके कुल विकेट इरफ़ान पठान और हरभजन सिंह के बराबर हो गये हैं। टी20 विश्व कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा 21 विकेट रवींद्र जड़ेजा और 32 स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के नाम हैं। इससे पहले आईपीएल में विफल रहे पांड्या ने कहा कि देश के लिए खेलना ही विशेष होता है। मैं विश्व कप में अपनी ओर से सभी प्रयास करुंगा। भगवान भी मेरे प्रति इस मामले में दयालु रहे हैं। वहीं, अक्षर द्वारा लिए गए कैच पर उन्होंने कहा कि यह उत्कृष्ट प्रयास था। ऐसे कैच तब होते हैं जब आप गेम पर नजर रखते हैं।

संन्यास के बाद याद आयेंगे वार्नर : पोंटिंग

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने टीम के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर की जमकर प्रशंसा की है। पोंटिंग के अनुसार वार्नर एक स्वाभाविक विजेता खिलाड़ी हैं। इसलिए संन्यास के बाद उन्हें ही नहीं उनके द्वारा बनाए गए रनों को भी याद किया जाएगा। वार्नर इस टी20 विश्वकप के बाद खेल को अलविदा कहने जा रहे हैं। उन्होंने एकदिवसीय और टेस्ट क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले लिया था। वार्नर को उम्मीद है कि अमेरिका और वेस्टइंडीज में जारी टी20 विश्व कप वह बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। इस बल्लेबाज ने अपना अंतिम एकदिवसीय मैच 2023 में भारत के खिलाफ विश्व कप में खेला था जबकि अंतिम टेस्ट पाकिस्तान के खिलाफ शानदार घरेलू सीरीज में खेला था। ऑस्ट्रेलिया के टी20 विश्व कप अभियान के समाप्त होने के सथ ही वॉर्नर के करियर का समापन भी हो जाएगा। पोंटिंग ने कहा, वह एक ऐसा खिलाड़ी है जिसे आप अपनी टीम में रखना चाहते हैं, खास तौर पर विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में वह और भी अहम हो जाता है। वह उन स्वाभाविक विजेताओं में से एक है। वह जो कुछ भी करता है पर जीतना चाहता है। आप मैदान में उसके रवैये और उसके क्रिकेट खेलने के तरीके को देख सकते हैं। इसलिए वार्नर के संन्यास के बाद हम रन बनाने के अलावा उनकी कई और भी विशेषताएं खो देंगे। वार्नर संन्यास के बाद लीग क्रिकेट में ही नजर आयेंगे। हाल में उन्होंने आईपीएल में खेला

एक ओवर में पांच विकेट गिरने पर भी हैट्रिक नहीं लगा पाये थे आमिर

मुम्बई (एजेंसी)। क्रिकेट इतिहास में एक से बढ़कर एक रोमांचक मैच हुए हैं। इन्हीं में से एक वेस्टइंडीज में हुए साल 2010 के टी20 विश्वकप में पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया का मैच भी रहा है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी के दौरान पांच विकेट गिरे थे पर इसके बाद भी गेंदबाज हैट्रिक नहीं ले पाया था जबकि ये ओवर मेडन रहा था। इस सब के बाद भी ये मैच ऑस्ट्रेलियाई टीम जीत गयी थी।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉटसन और डेविड हसी ने अर्धशतक लगाए थे। वॉटसन के 49 गेंदों पर 81 (7 चौके व चार छक?के) और हसी के 29 गेंदों पर 53 (दो चौके व पांच छक्के) रन की मदद से ऑस्ट्रेलियाई टीम मजबूत स्कोर की ओर बढ़ रही थी. 16 ओवर के बाद टीम का स्कोर दो विकेट पर 162 रन था और ऐसा लग रहा था कि

ऑस्ट्रेलियाई टीम आसानी से 200 रन से आगे बढ़ जाएगी पर 17वें ओवर में स्पिनर सईद अजमल ने हसी और वॉटसन को आउट कर दिया। इसके बाद 19वें ओवर में अजमल ने कैमरन व्हाइट का विकेट लिया। 19 ओवर के बाद ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 5 विकेट पर 191 रन था।

इसके बाद पाक तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने 20 वें ओवर में पहली गेंद पर ब्रेड हेडिन को आउट करने के बाद दूसरी ही गेंद पर मिचेल जॉनसन को बोल्ड कर दिया। इसके बाद वह अगली गेंद पर हैट्रिक नहीं बना सके हालांकि बल्लेबाज रन आउट हो गया। आमिर की इस यॉर्कर को स्टीव स्मिथ खेल नहीं पाये पर बाय रन लेने के प्रयास में उनके जोड़ीदार माइकल हसी रन आउट हो गए। ओवर की चौथी गेंद पर भी यही हुआ। आमिर की एक और यॉर्कर पर नए बल्लेबा डर्क नैंस रन नहीं बना पाये और बाय रन लेने के प्रयास में स्मिथ रन आउट हो गए। इस प्रकार चार गेंद पर चार विकेट गिर गये। ऑफ स्टंप के बाहर फेंकी गई ओवर की पांचवीं गेंद नए बैटर शॉन टैट खेल नहीं पाये और इस पर भी कोई रन नहीं बना। ओवर और पारी की आखिरी गेंद टैट के पैड से टकराकर विकेट पर लगी. इस तरह ओवर में 5 विकेट गिरे जबकि कोई रन नहीं बना। इस प्रकार कंगारु टीम 191 रन ही बना पायी। इसके बाद 192 रन के लक्ष्य को पाक टीम हासिल नहीं कर पायी और 157 रन बनाकर आउट हो गई।

पेरिस ओलंपिक में बालाजी के साथ उतरेंगे बोपन्ना, एआईटीए को दी जानकारी

नई दिल्ली । भारत के शीर्ष युगल टेनिस खिलाड़ी रोहित बोपन्ना आगामी पेरिस ओलंपिक में एन श्रीराम बालाजी के साथ उतरेंगे। बोपन्ना को शीर्ष दस खिलाड़ियों में होने के कारण स्वयं ही अपना जोड़ीदार तय करने आधिकार मिला है। उन्होंने बालाजी को अपना जोड़ीदार बनाने की जानकारी भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) को भी दे दी है। चौथी वरीयता प्राप्त बोपन्ना ने फेंच ओपन में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर बालाजी को अपना जोड़ीदार बनाया है हालांकि विश्व रैंकिंग में 52वें नंबर के साथ दूसरे नंबर के युगल खिलाड़ी युकी भांबरी भी दावेदारी में थे। बोपन्ना ने कहा, ''मैंने एआईटीए को एक ईमेल भेजा है।'' साथ ही कहा कि अब राष्ट्रीय महासंघ से जवाब मिलने के बाद ही वहा कोई बात कहेंगे। वहीं एआईटीए के महासचिव अनिल धूपर ने कहा कि उन्हें पेरिस ओलंपिक में 84 वीं रैंकिंग वाले बालाजी के साथ बोपन्ना के खेलने पर कोई आपत्ति नहीं है। धूपर ने कहा, ''बोपन्ना ने हमें लिखा है कि वह बालाजी के साथ खेलना चाहता है। बालाजी एक अच्छा खिलाड़ी है। उसने पाकिस्तान में भी अच्छा खेला है और मौकों का फायदा उठाया है। उसने फ्रेंच ओपन में क्ले कोर्ट पर भी अच्छा प्रदर्शन किया है। बालाजी अच्छी सर्विस करने वाला खिलाड़ी है। अगर बोपन्ना उसके साथ खेलना चाहता है तो हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''फ्रेंच ओपन के समापन के बाद आईटीएफ को अंतिम सूची प्रकाशित करने दें। हम चयन समिति की बैठक करेंगे और बोपन्ना के फैसले को पैनल को बताएंगे जो अंतिम फैसला लेगा।'' चयन समिति का नेतृत्व पूर्व डेविस कप खिलाड़ी नंदन बाल कर रहे हैं जिन्होंने यह भी संकेत दिया कि वे बोपन्ना का समर्थन करेंगे।

सरबजोत ने म्यूनिख निशानेबाजी विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरबजोत सिंह ने गत विश्व चैंपियन और चार बार के ओलंपियन की मौजूदगी वाली पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर गुरुवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप में भारत के पदक का खाता खोला। भारत के 22 साल के सरबजोत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 242.7 अंक जुटाए। उन्होंने चीन के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी चीन के बू शुआईहेंग को 0.2 अंक से पछाड़ा। जर्मनी के रोबिन वाल्टर ने कांस्य पदक जीता। सरबजोत ने बुधवार को क्वालीफाइंग में 588 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल में गत विश्व चैंपियन चीन के बोवेन झेंग और तुर्की के चार बार के ओलंपिक यूसुफ डिकेक भी चुनौती पेश कर रहे थे। सरबजोत ने हालांकि फाइनल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए आईएसएसएफ विश्व कप में अपना दूसरा व्यक्तिगत पदक जीता। इससे पहले उन्होंने पिछले साल भोपाल में भी स्वर्ण पदक जीता था। युवा भारतीय निशानेबाज ने शुरुआती पांच शॉट में तीन बार 10 से अधिक अंक जुटाकर शुरुआती बढ़त बनाई। सरबजोत ने लगातार अच्छी निशानेबाजी की और 14वें शॉट से पहले तक बढ़त बरकरार रखी जब वाल्टर ने उनकी बराबरी कर ली। सरबजोत ने 15वें शॉट में 10.8 अंक के साथ अपना दावा मजबूत किया जबकि वाल्टर 8.6 अंक ही जुटा पाए। पांचवें नंबर पर झेंग के बाहर होने के बाद वाल्टर ने डिकेक को पछाड़कर कांस्य पदक जीता। अंतिम दो शॉट से पहले सरबजोत और बू के बीच 1.4 अंक का अंतर था और भारतीय निशानेबाज ने जीत दर्ज करके स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले सरबजोत पेरिस ओलंपिक के लिए चयन ट्रायल में भी शीर्ष पर रहे थे। सरबजोत ने चांगवोन में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप 2023 की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता था और भारत के लिए पेरिस ओलंपिक का पहला पिस्टल कोटा हासिल किया था। पिछले साल एशियाई खेलों में सरबजोत ने पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा का स्वर्ण और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का रजत पदक जीता था।

खेल के लीजैंड हो आप, लुका मोडरिच ने की सुनील छेत्री की तारीफ

कोलकाता । क्रोएशिया के कप्तान और रीयाल मैड्रिड के सुपरस्टार लुका मोडरिच ने भारतीय कप्तान सुनील छेत्री की तारीफ करते हुए उन्हें फुटबॉल का लीजैंड बताया। उन्होंने भारतीय टीम से छेत्री के आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच को यादगार बनाने का भी आग्रह किया। छेत्री कुवैत के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफाइंग मैच के साथ ही अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कह देंगे। भारतीय टीम के कोच इगोर स्टिमक ने मोडरिच का वीडियो मैसेज साझा किया है जिसमें उन्होंने कहा है, 'हैलो सुनील। मैं बस तुमको हैलो बोलना और आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच के लिये शुभकामना देना चाहता हूं।' वर्ष 2018 में बलोन डिओर जीतने वाले मोडरिच ने कहा, 'तुम खेल के लीजैंड हो। ऐसे कैरियर पर बधाई। उम्मीद है कि तुम्हारे साथी खिलाड़ी इस आखिरी मैच को खास और यादगार बनाएंगे।' उन्होंने कहा, 'टीम को शुभकामनाएं और अपने कप्तान के लिए मैच जीतो। क्रोएशिया से शुभकामनाएं।' स्टिमक ने मोडरिच को इस संदेश के लिये धन्यवाद दिया।

जीत का प्रबल दावेदार कौन, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने की भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ का मानना है कि टी20 विश्व कप में रविवार को होने वाले मैच में भारत जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा क्योंकि उसकी टीम अधिक संतुलित है। लतीफ ने इसके साथ ही कहा कि न्यूयॉर्क में होने वाले इस बहुप्रतीक्षित मैच में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम पर दबाव रहेगा।

पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, 'हम सभी का ध्यान भारत के खिलाफ 9 जून को होने वाले मैच पर है। बाबर पर विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन के बजाय भारत के खिलाफ होने वाले मैच के कारण दबाव में रहेगा।% उन्होंने कहा, 'लेकिन उन्हें दबाव झेलना सीखना होगा। उन्हें विराट और रोहित से सीखना चाहिए। वे जानते हैं कि खेल को कैसे आगे बढ़ाया जाता है। बल्लेबाज के रूप में बाबर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल है लेकिन जहां तक कप्तानी का सवाल है तो उन्हें अभी काफी कुछ सीखने की जरूरत है।'

लतीफ ने कहा कि भारत के पास बहुत अच्छे स्पिनर हैं और वर्तमान फॉर्म को देखते हुए रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम रविवार को होने वाले मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। उन्होंने कहा, 'कुलदीप यादव एक ऐसा खिलाड़ी है अगर वह फिट रहता है तो पूरे विश्व कप में बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। वह भारत के लिए महत्वपूर्ण गेंदबाज है और उन्होंने अच्छी सफलताएं भी हासिल की हैं। वर्तमान फॉर्म को देखते हुए 9 जून को होने वाले मैच में भारत निश्चित तौर पर जीत के दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा।'

लतीफ में इसके साथ ही कहा कि पाकिस्तान की तैयारी इस समय 2021 या 2022 जैसी नहीं है जब वह टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचा था। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान की टीम ने आईसीसी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन इस बार टीम उतनी तैयार नहीं दिख रही है जितनी 2021 और 2022 में थी। वनडे विश्व कप में हार के बाद टीम को काफी नुकसान हुआ तथा कप्तान और चयन समिति को बदल दिया गया।' लतीफ ने कहा, 'टीम नहीं जानती कि उसकी तरफ से पारी का आगाज कौन करेंगे। अभी तक उसने जिस खिलाड़ी को भी सलामी बल्लेबाज के रूप में आजमाया वह नाकाम रहा।'

इस कलयुग में कहां है रामराज्य और कहां है जंगल राज्य, हिंदुत्व के नाम पर धोखा?

अंबिका मंदिर समिति लिंबायत ने गृहमंत्री को दिया आवेदन

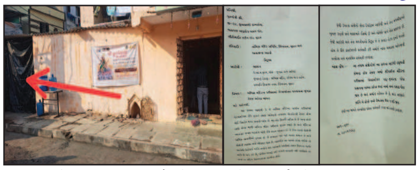

सूरत भूमि, सूरत। शहर के लिंबायत विस्तार में स्थित संगम बैंड सर्कल के पास छत्रपति शिवाजी नगर में स्थित अंबिका मंदिर के परिसर में जोर-जोर से चल रहा है आंकड़ा का अड्डा बंद करवाने के लिए मंदिर समिति के लोगों द्वारा गुजरात के गृहमंत्री तथा अन्य जगहों पर आवेदन दिया गया है, परंतु अभी तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई है । जबकि देश की जनता को मूर्ख बनाने के लिए सिर्फ एक शब्द काफी है क्या की जहां भाजपा (मोदी) है तो हिंदू है वरना बाकी देश के लोग हिंदू न थे ना है ना होंगे। इसीलिए जहां भाजपा का राज्य है वहां रामराज्य है जहां भाजपा सत्ता में नहीं है वहीं जंगल राज्य है यह अंध भक्तों को समझाना पड़ेगा। कब तक झूठ और फरेब में जिओगे? कहां है संघ के लोग, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल , तथा युवा सनातन के नाम पर संपूर्ण हिंदू समाज को मूर्ख बनाने वालों। कहीं इके आकाओं के आदेश से तो नहीं चलाई जा रहे हैं जुगार तथा आंकड़ा के अड्डे? संपूर्ण भारत में किसी भी मस्जिद गुरुद्वारा चर्च के अगल-बगल नहीं चलाया जा सकता ऐसा दारू व जुगाड़ का अड्डा। सिर्फ हिंदू ही इतने कमजोर हैं जो मंदिर के बगल में बेधड़क चलाया जा रहा है यह अड्डा। इसीलिए लोग कहते हैं कि ऊपर तक यानी मंत्रालय तक जाता है इन धंधों का रुपया इसीलिए लोग चुप बैठे हैं और स्थानीय पुलिस भी मूकदर्शक बन बैठी है।

आयुष हेल्थ एंड वेलनेस एक्सपो 7, 8 और 9 जून को साइंस सेंटर सूरत में होगा

सूरत। संपूर्ण जनता के स्वास्थ्य जागरूकता के लिए 7, 8 और 9 जून को सूरत शहर के सिटीलाइट रोड स्थित सूरत साइंस सेंटर में गुजरात आयुष हेल्थ एंड वेलनेस एक्सपो का आयोजन किया गया है। डॉ। निपश बी. पटेल (सीनियर - आयुर्वेदिक पंचकर्म विशेषज्ञ) अमृत आयुर्वेदिक पंचकर्म अस्पताल, अडाजण के अनुसार आयु ग्रुप ऑफ गुजरात डॉक्टर्स एसोसिएशन और हेल्थ फर्स्ट सर्विसेज द्वारा 7, 8 और 9 जून को प्रसिद्ध विज्ञान केंद्र, सिटी लाइट रोड, सूरत में आयुष हेल्थ एंड वेलनेस एक्सपो ला रहे हैं।

इस तीन दिवसीय एक्सपो में आयुर्वेदिक, अस्पताल, आयुष फार्मा उद्योग, सौंदर्य, फिटनेस, समग्र, हर्बल, वैकल्पिक, प्राकृतिक चिकित्सा, पोषण, जैविक खाद्य के विभिन्न स्टॉल होंगे।

आयु समूह के अध्यक्ष डॉ. निपेश ने आगे कहा कि इस एक्सपो का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता है और गुजरात और सूरत के लोग बीमारियों से बचें और स्वस्थ रहें। आज हर घर में बीमारियाँ, पुरानी और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ देखने को मिलती हैं। इस एक्सपो का उद्देश्य बीमारी की रोकथाम करना तथा प्रारंभिक अवस्था में ही रोग का निदान कर व्यक्ति को हमेशा के लिए स्वस्थ एवं निरोगी बनाना है। इसके लिए एक्सपो में विभिन्न उपचारों के कई स्टॉल हैं, जहां आपको नई शोधित आयुर्वेदिक दवाएं और देशी पौधे, वन जड़ी-बूटियां और विभिन्न उपचारों का लाइव प्रदर्शन भी मिलेगा। एक्सपो में तीनों दिन सुबह 10:00 बजे से रात 8:00 बजे तक प्रवेश नि:शुल्क रहेगा। एक्सपो के दौरान स्टॉल प्रदर्शनी के अलावा एक दिवसीय गुजरात राज्य आयुर्वेदिक सम्मेलन का आयोजन किया गया है, पंचकर्म, नाड़ी विद्या, ममी चिकित्सा, तत्काल दर्द प्रबंधन पर कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी। विशेष रूप से गठिया, गठिया, कमर दर्द- घुटने/घुटने के दर्द के लिए विशेष नि:शुल्क निदान-जांच शिविर आयोजित किया गया है। आयुर्वेदिक औषधियां कई रियायती दरों पर प्राप्त की जा सकती हैं।

स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य जांच के दौरान स्वास्थ्य होना है और यदि ऑपरेशन की आवश्यकता हो तो मुख्य प्रायोजक मरीना ग्रैंड हॉस्पिटल द्वारा वास्तविक मार्गदर्शक के साथ प्रामाणिक उपचार किया जाएगा। डॉ. निपेश पटेल ने एक्सपो के बारे में अधिक जानकारी देते हुए कहा कि आयुर्वेद का मतलब दाल और जड़ी-बूटियां नहीं है बल्कि आज आयुर्वेद में कई नई दवाएं और तकनीक के साथ-साथ सॉफ्टवेयर भी अपडेट हो गए हैं।

इस एक्सपो में शुद्ध और अद्यतन आयुर्वेद, कई वैकल्पिक उपचार, नवीन स्वास्थ्य और कल्याण मशीनें, प्रौद्योगिकी, ध्वनि और उपचार चिकित्सा, आध्यात्मिक चिकित्सा सहित विभिन्न उपचारों का लाइव प्रदर्शन किया जाएगा।

सोलेक्स एनर्जी लिमिटेड ने तापी नदी को साफ करने की पहल के साथ पर्यावरण दिवस मनाया

सुरत भुमि, सूरत।

भारत के सबसे भरोसेमंद सोलर ब्रांड सोलेक्स एनर्जी लिमिटेड ने स्थानीय लोगों के साथ विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में आज तापी नदी के तटों की सफाई की। जो स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर बनाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह महत्वपूर्ण पहल 'प्रोजेक्ट सूरत' के सहयोग से की गई। जिसमें सभी के अमूल्य सहयोग से आयोजन सफल रहा।

नदी तटों से कचरा एकत्र करना स्वच्छ हरियाणा भविष्य की दिशा में एक कदम है। सोलेक्स एनर्जी की टीम ने पहले में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया, जो जीवन और पर्यावरण की रक्षा के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि यह नदी सफाई अभियान हर महीने चलाया जाएगा, जो स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा।

सोलेक्स एनर्जी लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक चेतन शाह ने कहा, "पर्यावरण दिवस पर तापी नदी की सफाई में हमारी भागीदारी सोलेक्स एनर्जी की पर्यावरण संरक्षण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारा मानना है कि टिकाऊ जीवन बेहतर भविष्य की कुंजी है और हम हम अपने समुदाय और ग्रह के प्रति ठोस योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

पर्यावरण और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता:

- स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के लिए नियमित पर्यावरण सफाई गतिविधियाँ
- कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए निरंतर प्रयास
- नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों में निवेश
- हमारे समुदाय और उद्योग में स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देना

भविष्य को देखते हुए, सोलेक्स एनर्जी नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को आगे बढ़ाने के अपने मिशन में दृढ़ बनी हुई है। हम इस क्षेत्र में भविष्य के विकास के अवसरों का लाभ उठाने और टिकाऊ ऊर्जा का नेतृत्व करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।

सुरत भुमि, सूरत- सुरत के उधना में विजया नगर में उजलेश्वर महादेव मंदिर स्थित शनिदेव मंदिर में शनि जयंती महोत्सव के अवसर पर दि.06/06/2024 गुरुवार के दिन सुबह पूजा-हवन और भंडारे का आयोजन किया गया था। जितु महाराज ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी श्री शनि जयंती महोत्सव धामधूम से मनाया गया था। जिसमे सुबह केसर स्नान,पूजा-हवन और जाहेर भंडारे का आयोजन किया गया था। जिसमे बड़ी मात्रा में लोगोने उपस्थित रहकर प्रसाद का लाभ लिया था।

AM/NS India ने उधना रेलवे स्टेशन पर रिवर्स वेंडिंग मशीन लगाई

सूरत - हजीरा।

आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (AM/NS India) ने बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर अत्याधुनिक रिवर्स वेंडिंग मशीन का उद्घाटन किया।

रिवर्स वेंडिंग मशीन, खाली प्लास्टिक की बोतल और पेय पदार्थों के एल्युमिनियम के टीन की रिसाइकिलिंग की सुविधा देती है, जिससे प्लास्टिक कचरे के पर्यावरणीय प्रभाव को कम किया जा सकता है। इस अवसर डॉ. अनिल मटू, हेड - कोर्पोरेट अफेर्स, AM/NS India, हजीराने कहा, "रिवर्स वेंडिंग मशीन न केवल बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरे को रिसाइकिल करने में मदद करेगी, बल्कि लोगों को प्लास्टिक कचरे के खतरों के बारे में जागरूक करने और जागरूकता बढ़ाने में भी मदद करेगी। सूरत के प्लास्टिक मुक्त शहर बनने के लक्ष्य का समर्थन करने के लिए हमारी 'प्रोजेक्ट ग्रीन' पहल के एक हिस्से के रूप में यह मशीन लगाई गई है। हम सुरत के लोगों से इस मशीन का अधिक से अधिक उपयोग करने और स्वच्छ भविष्य में योगदान देने की अपील करते हैं।"

उद्घाटन समारोह में गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. जिज्ञासा ओझा, अरविंद बोधनकर, चीफ सस्टेनेबिलिटी ओफिसर, AM/NS India, शंकरा सुब्रमण्यन, हेड - एन्वायरमेन्ट, AM/NS India, हजीरा, किरणसिंह सिंधा, CSR, AM/NS India - हजीरा, एवं उधना रेलवे स्टेशन के अधीक्षक योगेश ठाकुर और अन्य लोग भी मौजूद थे।

पब्लिक प्राईवेट पार्टनशिप मॉडल के तहत AM/NS India द्वारा स्थापित रिवर्स वेंडिंग मशीन में रीसाइकिलिंग के लिए 200 मिली से 2.5 लीटर तक की खाली प्लास्टिक की बोतलों के अलावा एल्युमीनियम के टीन भी डाल सकते हैं। उपयोगकर्ताओं को उनके फोन पर एक इनाम कूपन मिलता है। मशीन में प्रतिदिन 1,500 से 2,000 प्लास्टिक की बोतलों को प्रोसेस करने की क्षमता है, जो रीसाइकिलिंग के लिए 40-50 किलोग्राम प्लास्टिक कचरा एकत्र करती है। सूरत में प्रतिदिन लगभग 20 टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जो न ही केवल लोकल इकोलोजी पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, बल्कि वायु प्रदूषण में भी योगदान देता है। रिवर्स वेंडिंग मशीन जैसी पहल प्लास्टिक कचरे को कम करने में काफी मददगार हो सकती है।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड की छात्रा कृति शर्मा NEET 2024 में नेशनल टॉपर बनीं

सूरत।

टेस्ट प्रिपरेटरी सर्विसेज में नेशनल लीडर आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने सूरत की अपनी छात्रा कृति शर्मा की उत्कृष्ट उपलब्धि की गर्व से घोषणा की, जिसने ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 1 प्राप्त करके एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने नेशनल एलिजिबिलिटी सह एंट्रेंस टेस्ट (एनईईटी) 2024 में 720 में से परफेक्ट 720 अंक हासिल किए, जिससे वह नेशनल और राज्य दोनों में टॉपर बन गईं। परिणाम नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा घोषित किए गए।

कृति ने ह्वश्वश्वञ्ज की तैयारी के लिए AESL के क्लासरूम प्रोग्राम में दाखिला लिया, जिसे विश्व स्तर पर सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। वह अपनी उल्लेखनीय सफलता का श्रेय अवधारणाओं की गहन समझ और अनुशासित अध्ययन कार्यक्रम के सख्त पालन को देती हैं। उन्होंने कहा, "मैं आभारी हूं कि आकाश ने एईएसएल की सामग्री और कोचिंग दोनों में मेरी मदद की, मैं इतने कम समय में विभिन्न विषयों में इतनी सारी अवधारणाओं को समझ नहीं पाती।"

कृति को उनकी असाधारण उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के रीजनल डिरेक्टर, श्री परमेश्वर झा ने कहा, "हम कृति शर्मा को उनकी अनुकरणीय उपलब्धि के लिए बधाई देते हैं। देश भर से 20 लाख से अधिक छात्र NEET 2024 के लिए उपस्थित हुए थे। उनकी उपलब्धि यह उनकी कड़ी मेहनत का प्रमाण है। कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ-साथ उनके माता-पिता के समर्थन की बात करते हुए हम कृति को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

NEET का आयोजन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा भारत में सरकारी और निजी संस्थानों में स्नातक मेडिकल (एमबीबीएस), डेंटल (बीडीएस) और आयुष (बीएएमएस, बीयूएमएस, बीएचएमएस, आदि) पाठ्यक्रम करने के इच्छुक उन छात्रों के लिए योग्यता परीक्षा के रूप में प्रतिवर्ष किया जाता है जो विदेश में प्राथमिक चिकित्सा योग्यता हासिल करना चाहते हैं।

ऐमट्रॉन इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का एसएमई आईपीओ एनएसई पर 50% प्रीमियम पर 241 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ

एनएसई पर ऐमट्रॉन इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर रुपये पर उभर आए है। रुपए 241.00 पर लिस्ट हुआ, जो 161 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य से लगभग 50त्न प्रीमियम है। ऐमट्रॉन इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड- ऐमट्रॉन इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों ने गुरुवार को शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत की, क्योंकि ह्रस्श्व स्स्ल्श्व पर स्टॉक 241 रुपये पर कारोबार कर रहा था। जो कि 161 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य से लगभग 50त्न का प्रीमियम है। ऐमट्रॉन इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) 30 मई को खुली और 3 जून को बंद हुई। ऐमट्रॉन इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के आवंटन को 4 जून को अंतिम रूप दिया गया था और लिस्टिंग की तारीख 6 जून थी।

ऐमट्रॉन इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग (श्वस्ष्ठरू) सेवाओं के लिए उत्पाद और समाधान प्रदान करने वाली कंपनी है। ऐमट्रॉन इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड आईपीओ का मूल्य दायरा 153 से 161 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर, कंपनी ने आईपीओ से 87.02 करोड़ रुपये जुटाए जो पूरी तरह से 54.05 लाख इक्विटी शेयरों का एक ताजा मुद्दा था। सार्वजनिक निर्गम में सभी श्रेणियों के निवेशकों की ओर से मजबूत मांग देखी गई। ऐमट्रॉन इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का ढ्ढक्क 99.24 गुना सब्सक्राइब हुआ था। 3 जून तक यह खुदरा श्रेणी में 71.62 गुना, योग्य संस्थागत खरीदार (क्यूआईबी) श्रेणी में 69.93 गुना और गैर-संस्थागत निवेशक (एनआईआई) श्रेणी में 202.74 गुना भरा हुआ था। हैम सिक्योरिटीज ऐमट्रॉन इलेक्ट्रॉनिक्स आईपीओ का बुक-रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड आईपीओ रजिस्ट्रार है।

सैमसंग इंडिया ने एआई फीचर्स के साथ ओडिसी ओएलईडी, व्यूफिनिटी और स्मार्ट मॉनिटर्स के 2024 मॉडल्स लॉन्च किए

गुरुग्राम । भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज अपने 2024 लाइनअप में ओडिसी ओएलईडी गेमिंग मॉनिटर, स्मार्ट मॉनिटर्स और व्यू फिनिटी मॉनिटर्स लॉन्च किए हैं। इन प्रॉडक्ट्स में उपभोक्ताओं को एक नया अनुभव देने के लिए कई फीचर्स हैं, जिनमें नई एआई क्षमताएं शामिल हैं। ओडिसी ओएलईडी त्न6 और स्मार्ट मॉनिटर लाइनअप बेहतर एंटरटेनमेंट फीचर्स के साथ ग्राहकों को खुश करते हैं, जबकि एआई पावर्ड स्मार्ट मॉनिटर स्ठ्ठ और व्यूफिनिटी लाइनअप वर्कस्टेशन के लिए बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं।

सैमसंग इंडिया के कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंटरप्राइज बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट श्री पुनीत सेठी ने कहा, "ओडिसी ओएलईडी गेमिंग मॉनिटर, व्यूफिनिटी और स्मार्ट मॉनिटर्स के हमारे 2024 लाइनअप के ज़रिए, हम उपभोक्ताओं के अनुभव को नई ऊंचाई पर ले जाना चाहते हैं। एआई तकनीक और मल्टी-डिवाइस अनुभव से संचालित, ओडिसी ओएलईडी गेमिंग मॉनिटर और स्मार्ट मॉनिटर विजुअल एक्सिलेंस और क्रिएटिविटी को नए सिरे से परिभाषित करेंगे। ओएलईडी सेफगार्ड+ तकनीक से लैस, यह दुनिया की पहली बर्न-इन प्रोटेक्शन तकनीक है, जो ओएलईडी गेमिंग मॉनिटर को इमेज बर्निंग से बचाती है।"

ओडिसी ओएलईडी सीरीज- बर्न-इन प्रिवेंशन फीचर्स के साथ विजुअल एक्सीलेंस

ओडिसी ओएलईडी G6 एक 27" QHD (2560 × 1440) रिजॉल्यूशन मॉनिटर है, जो 16:9 आस्पेक्ट रेशियो को सपोर्ट करता है। इसका 360Hz रिफ्रेश रेट और 0.03ms GtG रिस्पॉन्स टाइम तेज़ गति वाले गेमप्ले को आसान बनाता है।

नए ओडिसी ओएलईडी मॉडल में सैमसंग ओएलईडी सेफगार्ड+ तकनीक है, जो बर्न-इन को रोकने के लिए दुनिया की पहली पल्सेटिंग हीट पाइप तकनीक है। डायनैमिक कूलिंग सिस्टम पुराने ग्रेफाइट शीट विधि की तुलना में पांच गुना अधिक प्रभावी ढंग से गर्मी को फैलाता है, जिससे कोर का तापमान कम होकर बर्न-इन रुकता है। मॉनिटर स्टैटिक छवियों का पता लगाता है और उनकी चमक को कम करता है।

ओडिसी ओएलईडी G6 250 निट्स (टाइप) की चमक के साथ बेहतरीन ओएलईडी पिक्चर क्वालिटी देता है। फ्री सिंक प्रीमियम प्रो तकनीक जीपीयू और डिस्प्ले पैनल को सिंक करके चॉपीनेस, स्क्रीन लेग और स्क्रीन टियरिंग को खत्म करती है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)